छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, बुधवार 11 नवंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-133 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

सुबह दिल्ली में बैठें... शाम में पटना, छठ पर स्पेशल वंदे भारत ट्रेन, चेक करें सीट



नई दिल्ली। छठ-पूजा पर घर जाना है, और अगर कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा है, तो घबराएं नहीं। अगर पटना जाना है तो इससे बेहतर कोई ट्रेन नहीं हो सकती है। छठ पूजा की भीड़ को देखते हुए नई दिल्ली से पटना के बीच वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। खास बात यह है कि ये ट्रेन सुबह दिल्ली से खुलेगी और शाम में पटना पहुंच जाएगी। दरअसल, छठ पर रेल यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने नई दिल्ली और पटना जंक्शन के बीच विशेष वंदे भारत फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला लिया है। वंदे भारत हाईटेक ट्रेन है और इससे सफर बेहद आरामदायक रहता है। छठ त्योहार के दौरान होने वाली अतिरिक्त भीड़ के लिए रेलवे ने दो जोड़ी स्पेशल वंदे भारत ट्रेनें चलाने की पूरी रूपरेखा तैयार की है।

कब्जा करना होता तो संचालकों को नियुक्त कर देत- फडणवीस का विपक्ष को जवाब



नई दिल्ली। महाराष्ट्र स्थित कोल्हापुर के बहुचर्चित गोकुल दूध संघ के अध्यक्ष संघ पद के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। आज यानी मंगलवार को अध्यक्ष पद का चुनाव हो रहा है, शाम तक नतीजे भी सामने होंगे। चुनाव में महायुति और समविचारी आघाड़ी के बीच मुकाबला है।इस बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गोकुल विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी और संस्था के साथ खड़े रहने की बात कही।फडणवीस ने ऑफ रिकॉर्ड कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि वहां चुनाव में एक तरह से त्रिशंकु स्थिति बनी थी। एक गुट के 13 जबकि दूसरे गुट के 12 संचालक चुने गए थे। अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 14 सदस्यों का कोरम जरूरी है। स्थापित कर सकती थी।

खुद व्हीलचेयर पर थे, लेकिन हजारों की जिंदगी बचाने का गुरविंदर सिंह बन गए सहारा



नई दिल्ली। एक ट्रक ने उनसे चलने की ताकत छीन ली। व्हीलचेयर पर बैठकर उन्होंने दूसरों के लिए वह मदद जुटाई, जो उन्हें नहीं मिली थी।सर्द रात में हम रज़ाई खींचकर सो जाते हैं। बाहर कौन ठिठुर रहा है, अक्सर ध्यान नहीं जाता। 15 दिसंबर 2004 की रात हरियाणा के सिरसा में व्हीलचेयर पर बैठे एक व्यक्ति ने अपने कारखाने के पास किसी को कांपते देखा। वह मुंह फेर नहीं पाए। उनका नाम गुरविंदर सिंह है। बाहर एक बेघर आदमी ठंड से सिकुड़ा पड़ा था। हालत देखकर लगा कि सुबह तक शायद जान न बचे।

गोकुल दूध संघ पर महायुति का कब्जाज अघाड़ी उम्मीदवार को झटका



नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कोल्हापुर की राजनीति में अहम माने जाने वाले गोकुल दूध संघ के चुनाव एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। महायुति ने इस चुनाव में जीत हासिल करके समविचारी आघाड़ी के उम्मीदवार को बड़ा झटका दिया है। महायुति के उम्मीदवार और पूर्व विधायक राजेश पाटिल ने समविचारी आघाड़ी उम्मीदवार शशिकांत चुयेकर को हरा दिया है। राजेश पाटील को कुल 29 में से 16 वोट मिले, जबकि शशिकांत पाटील चुयेकर को 13 वोट मिले। महज तीन वोटों के अंतर से मिली इस जीत ने गोकुल में सत्ता संघर्ष को एक नया मोड़ दे दिया है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत 145 गर्भवती महिलाओं की हुई स्वास्थ्य जांच

82 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर दिया गया उपचार एवं चिकित्सकीय परामर्श

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने तथा सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मंगलवार को विशेष स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देशन में आयोजित अभियान के दौरान जिले की 145 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। इनमें 82 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं के संबंध में आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया।

अभियान के अंतर्गत जिले में प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को



गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। इस माह 9 नवम्बर को शासकीय अवकाश होने के कारण अभियान का आयोजन 10 नवम्बर को जिला चिकित्सालय, समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं चिन्हांकित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में किया गया। अभियान के दौरान गर्भवती महिलाओं का रक्तचाप, वजन, हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर सहित आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही महिलाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, आयरन और कैल्शियम की नियमित खुराक, संस्थागत प्रसव तथा गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा ने बताया कि अभियान का प्रमुख उद्देश्य गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताओं एवं उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान कर उन्हें समुचित उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु के जोखिम को कम किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने सभी गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि वे नियमित रूप से प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच कराएं तथा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रत्येक माह आयोजित होने वाले विशेष जांच दिवसों का लाभ उठाएं।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों के तहत निगरानी समिति के सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी, पारदर्शिता एवं सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में आगामी 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर प्रारंभ होने वाली धान खरीदी की तैयारियों के तहत आज वरिष्ठ कृषि अधिकारी कार्यालय पेण्ड्रा में उपार्जन केंद्र स्तरीय निगरानी समिति के सदस्यों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में संबंधित उपार्जन केंद्रों के सरपंच एवं प्राधिकृत अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान निगरानी समिति के सदस्यों को धान खरीदी से संबंधित शासन के दिशा-निर्देशों, उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं, निगरानी समिति की भूमिका एवं दायित्वों की जानकारी दी गई। साथ ही किसानों की सुविधा, धान की गुणवत्ता, तौल व्यवस्था तथा खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण में वरिष्ठ कृषि अधिकारी श्री हेमंत कश्यप, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक मोहम्मद इरशाद सिद्दीकी, सीसीबी नोडल अधिकारी श्री विनय कुमार साहू एवं मार्कफेड के श्री हरिओम कश्यप ने धान उपार्जन की प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण का उद्देश्य धान खरीदी कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न कराना तथा किसानों को उपार्जन केंद्रों में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने देना है।

दिवाली की छुट्टियों में कैंची धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब, 3 KM लंबा जाम; घंटों ट्रैफिक में फंसे

लगातार बढ़ती भीड़ प्रशासन के लिए भी चुनौती बन गई है

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

उत्तराखंड के नैनीताल में दिवाली की छुट्टियों के बीच पर्यटन स्थलों और धार्मिक जगहों पर लोगों की भीड़ बढ़ गई है। खासकर बाबा नीम करौली के प्रसिद्ध कैंची धाम में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इसका असर नैनीताल-भवाली रोड पर भी दिखाई दे रहा है। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कैंची धाम जाने वाले रास्ते पर पर्यटकों और श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण यातायात प्रभावित हो रहा है।

भवाली से कैंची धाम तक लग रहा लंबा जाम

कैंची धाम में वीकेंड, त्योहारों और छुट्टियों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में भवाली से निगलाट और कैंची धाम तक सड़क पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। हाल के लंबे वीकेंड और छुट्टियों के दौरान इस मार्ग पर करीब 2 से 3 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें देखी गईं।



कई बार पर्यटकों और श्रद्धालुओं को घंटों तक अपनी गाड़ियों में बैठकर इंतजार करना पड़ा। इससे न केवल कैंची धाम जाने वाले लोगों को परेशानी होती है, बल्कि स्थानीय लोगों की आवाजाही भी प्रभावित होती है। लगातार बढ़ती भीड़ प्रशासन के लिए भी चुनौती बन गई है।

नियम तोड़ने वाले 258 दोपहिया वाहनों के चालान

यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नैनीताल पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के-दिल्ली-भोपाल में AQI 400 पार;

नई दिल्ली। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के हैं।आंकड़ों के मुताबिक, आज सुबह 9:54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा। यहां AQI 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा सिर्फ पाकिस्तान का लाहौर शामिल था। लाहौर 430 AQI के साथ 14वें स्थान पर रहा।वहीं, दिवाली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में मंगलवार सुबह 6 बजे चांदनी चौक का AQI 400 के पार रहा, जबकि कई इलाकों में यह 300 से ज्यादा दर्ज किया गया।मध्य प्रदेश के भोपाल, उज्जैन और हरियाणा के बहादुरगढ़ में भीपार पहुंच गया है। गाजियाबाद में 324 दर्ज किया गया। एमपी में रात का तापमान 11एष्ट और यूपी में 15एष्ट तक गिर गया है।

एयर क्वालिटी इंडेक्स 201 से 300 तक होने पर हवा खराब मानी जाती है। 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी होती है। गंभीर प्रदूषण का असर स्वस्थ लोगों पर भी पड़ सकता है।

त्योहारों के बीच आईआरसीटीसी की वेबसाइट ठप

टिकट बुकिंग से लेकर पेमेंट तक यात्री परेशान, सामान्य से 372 गुना ज्यादा शिकायतें

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

आईआरसीटीसीकी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर 10 नवंबर को तकनीकी परेशानी आई। यात्रियों को लॉगिन, टिकट बुकिंग और पेमेंट में दिक्कत हुई। आईआरसीटीसीपर सुबह 11:12 बजे तक 744 शिकायतें दर्ज हुईं। सामान्य दिनों में शिकायतों की संख्या करीब दो रहती है। हालांकि, देशभर में सेवाएं पूरी तरह ठप होने की पुष्टि नहीं हुई है।

भाईदूज और छठ जैसे त्योहारों के बीच परेशानी बढ़ी है। इन मौकों पर बड़ी संख्या में यात्री घर जाने की तैयारी करते हैं। ऐसे में रेलवे टिकट बुकिंग प्रभावित होने से उनकी मुश्किलें बढ़ी हैं। आईआरसीटीसी की ऑनलाइन सेवाओं को लेकर कई शिकायतें सामने आईं।

कुछ यूजर्स वेबसाइट खोलने में परेशानी बता रहे हैं। वहीं, कई यात्रियों को अपने अकाउंट में लॉगिन नहीं मिला। टिकट सर्च करने और बुकिंग पूरी करने में भी दिक्कत आई।कुछ यात्रियों ने ऑनलाइन पेमेंट और ट्रांजैक्शन फेल होने की शिकायत की। आईआरसीटीसीमोबाइल ऐप पर भी समस्याएं सामने आईं। इन शिकायतों से तत्काल टिकट बुक करने वाले यात्रियों की चिंता बढ़ी।

डाउनडिटेक्टर पर 744 शिकायतें

आईआरसीटीसी पर ढूआईआरसीटीसी की सेवाओं को लेकर शिकायतें दर्ज हुईं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 10 नवंबर को सुबह 11:12 बजे तक 744 रिपोर्ट मिलीं। सामान्य दिनों में यह संख्या करीब दो बताई गई है। इस तरह शिकायतों में करीब 372 गुना उछाल दर्ज हुआ।स्टेटस पेज पर शिकायतों का वर्गीकरण भी दिया गया।

कुल रिपोर्ट में 52 प्रतिशत शिकायतें मोबाइल ऐप से जुड़ी थीं। वेबसाइट से संबंधित शिकायतों का हिस्सा 19 प्रतिशत था।

दिल्ली में छठ पर 16 नवंबर को सार्वजनिक छुट्टी, 1400 से ज्यादा घाटों पर होगी पूजाज मुनक नहर पर खास इंतजाम

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर 16 नवंबर 2026 (सोमवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस फैसले के तहत दिल्ली के सभी सरकारी कार्यालयों, स्कूलों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में छुट्टी रहेगी। इससे



दिल्ली में रहने वाले लाखों श्रद्धालुओं और पूर्वांचल के लोगों को पूजा की तैयारियों और पर्व मनाने में सुविधा मिलेगी। दिल्ली सरकार की ओर से छठ महापर्व के लिए तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को जनसेवा सदन में छठ पूजा समितियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली जाएं।

इधर पीएम मोदी ने की जेलेंस्की से बात

उधर जयशंकर की रूसी विदेशी मंत्री से चर्चा शांति के लिए पूरी तरह से एक्शन में भारत

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार (9 नवंबर 2026) देर शाम रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के बीच फोन पर हुई चर्चा के ठीक बाद हुई। एस जयशंकर और सर्गेई लावरोव के बीच इस दौरान यूक्रेन-रूस संघर्ष और उसे समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा की गई।एस जयशंकर ने अपने अधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉम 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'आज शाम रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बात हुई। हमारी बातचीत यूक्रेन विवाद और चल रही डिप्लोमैटिक कोशिशों पर फोकस थी।' इससे



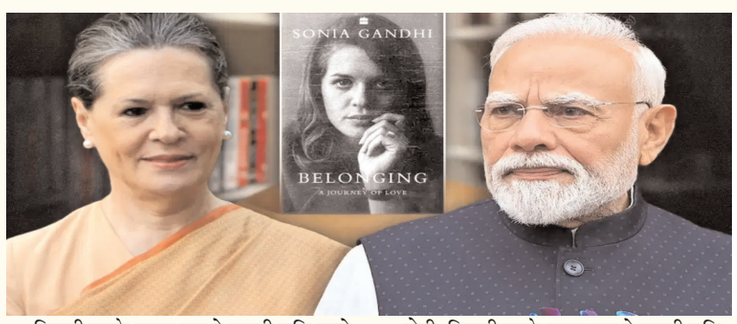
पहले राष्ट्रपति जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ मौजूदा संघर्ष और शांति के प्रयासों को लेकर अपना नजरिया साझा किया।क्रमोदी ने जेलेंस्की से क्या बात की?पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट पर बताया कि प्रेसिडेंट जेलेंस्की ने चल रहे संघर्ष से जुड़े हाल के घटनाक्रमों, उसके मानवीय पहलुओं और शांति बहाल करने की अलग-अलग कोशिशों पर अपना नजरिया शेयर किया।

किताब में सोनिया गांधी ने पीएम मोदी के लिए लिखीं ये बातें

संघर्षपूर्ण पृष्ठभूमि से उठकर सत्ता तक का सफर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग-ए जर्नी ऑफ लव' मंगलवार को पाठकों के लिए उपलब्ध हो गई। हार्पर कॉलिन्स इंडिया ने इस किताब को प्रकाशित किया है। उन्होंने इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों से लेकर भी बात रखी है। सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा में कहा है कि मोदी ने निश्चित रूप से आरएसएस के भीतर एक वंचित पृष्ठभूमि से उठकर सत्ता तक का सफर तय किया है, लेकिन उनकी शुरुआती जिंदगी शायद उतनी साधारण नहीं रही होगी,



जितनी उनके प्रचार दल ने उनकी छवि गढ़ते हुए पेश की है।सोनिया गांधी ने लिखा, 'मोदी की पृष्ठभूमि शायद उतनी साधारण नहीं रही होगी, जितनी उनके प्रचार दल ने उनकी छवि बनाते हुए रूप से सत्ता तक अपना रास्ता बनाया।

पीएम मोदी के साथ कभी कोई वास्तविक संपर्क नहीं रहा- गांधी

उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनका कभी कोई वास्तविक संपर्क नहीं रहा है। दोनों की मुलाकात जब भी होती है, तो सिर्फ औपचारिक बातचीत होती है। जब मोदी उनके सामने आते हैं, तो वह नजरें फेर लेते हैं और आंखें मिलाने से बचते हैं। देश को लेकर मोदी और उनके विचार बिल्कुल अलग हैं। पीएम मोदी अपने भारत के नजरिए के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि वह अपने नजरिए के साथ आगे बढ़ रही हैं।सोनिया गांधी ने पुस्तक में लिखा है, 'नरेंद्र दामोदरदास मोदी को प्रधानमंत्री बने 12 साल से अधिक हो चुके हैं और यह उनका तीसरा कार्यकाल है। इसके बावजूद आज तक मेरा उनसे व्यावहारिक रूप के नेता लोकसभा अध्यक्ष के कमरे में इकट्ठा होते हैं, लेकिन जब मोदी मेरे सामने आते हैं।

न्यूज इन शॉर्ट



विष्णु की पाती' से सोनकुमारी को मिला प्रोत्साहन, मिट्टी के हुनर को मिला सम्मान

रायपुर सूरजपुर जिला के ग्राम केशवनगर की श्रीमती सोनकुमारी प्रजापति अपने हुनर और मेहनत से पारंपरिक मिट्टी कला को आजीविका का माध्यम बना रही हैं। वे मिट्टी से दीये, गुल्लक और मटके तैयार करती हैं। महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर वे आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उनके प्रयासों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की 'विष्णु की पाती' पहल के माध्यम से सराहना और प्रोत्साहन मिला है।मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती सोनकुमारी को पत्र लिखकर उनके कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें इसी लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री का पत्र पाकर श्रीमती सोनकुमारी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मुख्यमंत्री उन्हें व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखेंगे। यह उनके लिए खुशी और गर्व का क्षण है।श्रीमती सोनकुमारी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रोत्साहन उन्हें अपना काम और बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। उन्हें उम्मीद है कि आगे भी उन्हें मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलता रहेगा, जिससे उनका व्यवसाय निरंतर आगे बढ़ सके।'विष्णु की पाती' के माध्यम से मुख्यमंत्री प्रदेश के नागरिकों से आत्मीय संवाद कर रहे हैं। यह पहल श्रीमती सोनकुमारी जैसी महिलाओं के हुनर, परिश्रम और उपलब्धियों को पहचान देने के साथ उन्हें अपने प्रयास जारी रखने का हौसला भी दे रही है।



बच्चों की मुस्कान के बीच मना मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जन्मदिन, आंगनबाड़ी में साझा किया न्योता भोज

रायपुर, बच्चों की मुस्कान के बीच मना मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का जन्मदिन, आंगनबाड़ी में साझा किया न्योता भोज जन्मदिन की खुशियां अपनों के बीच मनाई जाती हैं, लेकिन जब इन खुशियों में बच्चों की मुस्कान जुड़ जाए तो वह दिन और भी खास बन जाता है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना जन्मदिन सूरजपुर जिला के ग्राम लटोरी के नवापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ मनाया। न्योता भोज के इस आत्मीय आयोजन में उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ पंगत में बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी भी मौजूद रहे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचते ही बच्चों ने एक स्वर में 卐हैप्पी बर्थडे टू यू卐 गाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। बच्चों के इस स्नेहपूर्ण स्वागत से आयोजन में अपनत्व और उल्लास घुल गया। मंत्री ने बच्चों के बीच बैठकर उनसे बातचीत की, उनके नाम पूछे और उन्हें अपनी बातें साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। बच्चों ने पूरे उत्साह से अपना परिचय दिया। बातचीत के दौरान बच्चों ने मछली जल की रानी है, आलू कचालू और तितली रानी जैसी बाल कविताएं सुनाईं। नन्हे बच्चों की प्यारी प्रस्तुतियों पर मंत्री ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। जब उन्होंने पूछा कि आंगनबाड़ी में रोज कौन-कौन आता है, तो बच्चों ने मुस्कुराते हुए हाथ उठाकर जवाब दिया। उनकी सहजता और आत्मविश्वास ने वहां मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया। बच्चों के साथ संवाद में मंत्री ने स्वच्छता की अच्छी आदतों पर भी बात की।

मनेंद्रगढ़ को मिली बड़ी सौगात- 8.68 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य नर्सिंग कॉलेज, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया शिलान्यास

एक साल में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य, जिले के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में मिलेगी नर्सिंग की पढ़ाई... स्वास्थ्य मंत्री

महेन्द्र शुक्ला ➤ एमसीबी

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकास और स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। मनेंद्रगढ़ बस स्टैंड के सामने स्थित भूपेन्द्र क्लब परिसर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तत्वावधान में प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज भवन का विधिवत शिलान्यास किया गया। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की और शिलान्यास कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 868.35 लाख रुपये यानी लगभग 8 करोड़ 68 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज का भवन भूतल सहित तीन मंजिला होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्माण कार्य को एक वर्ष के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।













स्थानीय युवाओं को मिलेगा उच्च स्तरीय नर्सिंग शिक्षा का अवसर

नर्सिंग कॉलेज की स्थापना जिले के विद्यार्थियों के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। अब मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नर्सिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे जिलों और राज्यों का रुख करने की मजबूरी कम होगी। उन्हें अपने ही जिले में व्यावसायिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस संस्थान के शुरू होने से न केवल युवाओं के लिए शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि भविष्य में प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं भी विकसित होंगी।

मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज से बदलेगी जिले की तस्वीर : मंत्री जायसवाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मनेंद्रगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। इस बड़ी सौगात का श्रेय उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग कॉलेज जिले के बच्चों के भविष्य को संवारने और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मंत्री ने दीपावली, गौरी-गौरा, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि नर्सिंग कॉलेज का निर्माण मेडिकल कॉलेज के समीप किया जाएगा। एक वर्ष में पूरा होगा नर्सिंग कॉलेज का निर्माण मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीएमसी ने अपने संबोधन में बताया कि 868.35 लाख रुपये की लागत से बनने वाला नर्सिंग कॉलेज तीन मंजिला भवन होगा। उन्होंने बताया कि नर्सिंग कॉलेज में चार वर्षीय पाठ्यक्रम की पढ़ाई का प्रावधान है। इस महत्वपूर्ण संस्थान की स्थापना में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का विशेष योगदान रहा है।

मनेंद्रगढ़ में विकास कार्यों की सौगातों का सिलसिला जारी

स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में जिले में प्रस्तावित और प्रगतिरत विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिलने वाली है। इनमें चैनपुर से साजा पहाड़ तक सड़क निर्माण, नागपुर-चिरमिरी रेलवे लाइन, मेडिकल कॉलेज से चिरमिरी सड़क निर्माण, मेडिकल कॉलेज से पाराडोल रेलवे स्टेशन तक सड़क, सिद्ध बाबा मंदिर पहुंच मार्ग का भूमिपूजन तथा नालंदा लाइब्रेरी का भूमिपूजन शामिल हैं। उन्होंने खड़गवां में कृषि महाविद्यालय, चिरमिरी में हॉर्टिकल्चर कॉलेज तथा महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन और रोजगार के क्षेत्र में लगातार विकास हो। किसानों को धान के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं, कृषक उन्नति योजना से मिलेगी अंतर की राशि कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने धान खरीदी और कृषक उन्नति योजना को लेकर भी किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी वास्तविक उपज के अनुसार ही धान बेचें और निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा को पूरा करने के लिए बाहर से धान जुटाने की परेशानी न उठाएं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि किसी किसान के पास 10 एकड़ जमीन है और उसके पास 210 क्विंटल धान की उपज नहीं हुई है, तो उसे शेष धान की व्यवस्था के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है। किसान के पास जितना धान है, वह उतना ही सोसायटी में बेचे। शेष राशि की सहायता सरकार कृषक उन्नति योजना के माध्यम से प्रदान करेगी। मंत्री ने बताया कि धान का समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल और 3100 रुपये के अंतर की राशि 659 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत सहायता दी जाएगी। उन्होंने किसानों से अनावश्यक रूप से दूसरे लोगों से धान खरीदकर लक्ष्य पूरा करने की कोशिश नहीं करने की अपील की।

तीन साल भाजपा सरकार के, दो साल शहर सरकार के ज फिर भी चिरमिरी और मनेन्द्रगढ़ अंधेरे में!

एक साल से बंद पड़ी शहर की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें, लिफ्ट गाड़ी आने और लोकार्पण के बाद भी नहीं बदली शहर की तस्वीर

एमसीबी। चिरमिरी और मनेन्द्रगढ़ शहर में बुनियादी सुविधाओं को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े होने लगे हैं। प्रदेश में भाजपा सरकार के तीन साल और शहर की सरकार के दो साल पूरे होने के बावजूद शहर की सड़कों पर अंधेरा पसरा हुआ है। नागरिकों का कहना है कि शहर की अधिकांश स्ट्रीट लाइटें पिछले करीब एक साल से बंद पड़ी हैं, लेकिन जिम्मेदारों की ओर से अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

हैरानी की बात यह है कि पहले स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने के लिए लिफ्ट गाड़ी उपलब्ध नहीं होने का हवाला दिया जाता था। अब लिफ्ट गाड़ी भी आ चुकी है, उसका लोकार्पण भी हो चुका है और दीपावली जैसा बड़ा त्योहार भी गुजर गया, लेकिन शहर की सड़कों का अंधेरा जस का तस बना हुआ है।

ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि जब संसाधन उपलब्ध हो गए, तो फिर स्ट्रीट लाइटें चालू कराने में देरी क्यों हो रही है? क्या नगर निगम और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के पास शहर की प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त करने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है?

प्रदेश में मंत्री और शहर में भाजपा का विधायक एवं महापौर होने के बावजूद सड़क, पानी और रोशनी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर नागरिकों की शिकायतें सामने आना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। रात के समय अंधेरी सड़कों से गुजरने वाले राहगीरों, महिलाओं, बुजुर्गों और वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

जब सरकार और शहर की सत्ता दोनों भाजपा के हाथों में हैं, तो फिर विकास का असर जमीन पर क्यों नजर नहीं आ रहा? आखिर लोकार्पण और समारोहों से आगे बढ़कर जनता को मूलभूत सुविधाएं कब मिलेंगी?

जनता ने जनप्रतिनिधियों को विकास, बेहतर सड़क, पानी और रोशनी की उम्मीद के साथ जिम्मेदारी सौंपी थी। अब जरूरत है कि जनप्रतिनिधि और नगर प्रशासन केवल घोषणाओं एवं लोकार्पण तक सीमित न रहें, बल्कि बंद स्ट्रीट लाइटों को चालू कराने के लिए समयबद्ध कार्रवाई करें।

आखिर कब दूर होगा चिरमिरी और मनेन्द्रगढ़ की सड़कों का अंधेरा? कब जागेगा भाजपा नेतृत्व और कब मिलेगी शहरवासियों को बुनियादी सुविधाओं से राहत?





भटगांव में मां लक्ष्मी एवं काली माता की पूजा बड़े धूमधाम से किया गया

दीवाली का पर्व को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया

नगर पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने की पूजा अर्चना व नगरवासियो के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की

भटगांव, नगर पंचायत भटगांव में मां लक्ष्मी एवं काली माता की पूजा बड़े धूमधाम से की जा रही है। जहाँ घर-घर में दीपों की रोशनी, रंगोली और फूलों से सजावट देखने को मिल रही है और आतिशबाजी करते दिखा.

वहीं बाजारों में पूजा सामग्री, मिठाई और दीपकों की खरीदारी के लिए भीड़ लगी रही।

> व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की।

> मंदिरों में भी विशेष आरती, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन हुआ।

> श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी एवं माँ काली से अपने परिवार के लिए सुख-शांति एवं सौभाग्य की कामना की।

वहीं लक्ष्मी पूजा एवं माँ काली के पूजा अर्चना कार्यक्रम मे नगर पंचायत के अध्यक्ष विक्रम कुर्रे, उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन सहित पार्षद महादेवा यादव, पार्षद राम कुमार सिदार, पार्षद लीलाधर वैष्णव, पार्षद संतोष कुर्रे, पार्षद देवेंद्र यादव,पार्षद प्रतिनिधि रमा पटेल, गणेश यादव, रामा हिरवानी शामिल होकर नगवासियो के सुख-शांति, व्यापार में तरक्की और क्षेत्र में खुशहाली की कामना की।





स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना, स्वर्ण मंदिर और वाघा बॉर्डर का करेंगे भ्रमण

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 16 यात्रियों का जत्था अमृतसर तीर्थ यात्रा पर रवाना

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 16 यात्रियों का जत्था अमृतसर तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुआ। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बस को हरी झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों को पेंड्रारोड रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी यात्रियों को सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 10 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक आयोजित इस यात्रा में जिले के 15 हितग्राही एवं एक संरक्षक/अनुरक्षक सहित कुल 16 सदस्य शामिल हैं। यात्रा के दौरान तीर्थयात्री अमृतसर स्थित प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर में मत्था टेककर आध्यात्मिक शांति एवं आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही वे ऐतिहासिक वाघा बॉर्डर का भी भ्रमण करेंगे। इस योजना का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों एवं पात्र हितग्राहियों को





प्रदेश के बाहर स्थित प्रमुख धार्मिक स्थलों की निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी धार्मिक आस्था और श्रद्धा के अनुरूप तीर्थस्थलों का दर्शन कर सकें। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग एमसीबी द्वारा यात्रा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, उप संचालक समाज कल्याण विभाग अंजना रोस बेक, एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा सरजू यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा, रोहित वर्मा, सरजू यादव, महेन्द्र पाल, बुद्धू सिंह, आशीष सिंह, उमेश जायसवाल, सुनैना विश्वकर्मा, नीलू जायसवाल, लखन श्रीवास्तव, रवि यादव, बबीता सिंह एवं जमील शाह सहित नगर पालिका के पार्षदगण, जनप्रतिनिधि तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यूज इन शॉर्ट



सेवा सेतु से आसान हुआ विवाह प्रमाण पत्र बनवाना, गनपत और हंसलेखा को मिली सुविधा

रायपुर छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु केंद्र प्रणाली के माध्यम से खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल एवं सुलभ तरीके से उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिले में संचालित सेवा सेतु केंद्रों में आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने एवं आवेदन संबंधी कार्यों में सहायता दी जा रही है। इसी क्रम में छुईखदान तहसील स्थित सेवा सेतु केंद्र से श्री गनपत धुर्वे और उनकी पत्नी श्रीमती हंसलेखा धुर्वे को विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ ग्राम ठाकुरटोला निवासी श्री गनपत धुर्वे, पिता श्री अंकल्हू धुर्वे एवं ग्राम भडेरा नवागांव निवासी श्रीमती हंसलेखा धुर्वे, पिता श्री बृजलाल सोरी का विवाह 27 मार्च 2026 को हुआ था। विवाह के बाद विभिन्न शासकीय कार्यों एवं व्यक्तिगत दस्तावेजों से जुड़ी प्रक्रियाओं के लिए उन्हें विवाह प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। उन्होंने तहसील कार्यालय छुईखदान स्थित सेवा सेतु केंद्र में आवेदन प्रस्तुत किया। संबंधित अधिकारियों ने आवेदन की जांच की और आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन किया। निर्धारित औपचारिकताएं पूरी होने के बाद श्रीमती हंसलेखा धुर्वे को मौके पर ही विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। समय पर प्रमाण पत्र मिलने से दंपती ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं प्रशासन का आभार जताया। जनता के द्वार, डिजिटल सरकार की भावना के अनुरूप जिले के सेवा सेतु केंद्रों में नागरिकों को आवेदन भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्राप्त करने और प्रमाण पत्र बनवाने में सहायता मिल रही है। स्थानीय स्तर पर इन सुविधाओं की उपलब्धता से ग्रामीणों के लिए शासकीय सेवाओं तक पहुंच आसान हो रही है। विवाह प्रमाण पत्र मिलने से अब गनपत और हंसलेखा को भी अपने शासकीय एवं व्यक्तिगत दस्तावेजों से जुड़े कार्य पूरे करने में सुविधा होगी।

आरटीई के तहत स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया होगी सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित

रायपुर,छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों की प्रवेश प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। विभाग द्वारा 10 नवंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार आरटीई के अंतर्गत प्रवेश में पड़ोस की निर्धारित सीमा को अनिवार्य पात्रता की शर्त के बजाय प्राथमिकता का आधार बनाया जाएगा। इससे पात्र बच्चों को प्रवेश के अधिक अवसर मिल सकेंगे। सचिव स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों में नि:शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(ग) के प्रभावी क्रियान्वयन तथा धारा 12(2) के अंतर्गत विद्यालयों को प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया के सरलीकरण एवं सुव्यवस्थीकरण पर जोर दिया गया है।

*पड़ोस की सीमा अब प्रवेश में प्राथमिकता का आधार

नए निर्देशों के अनुसार आरटीई के तहत प्रवेश के लिए निर्धारित पड़ोस की सीमा को अनिवार्य पात्रता शर्त के स्थान पर प्राथमिकता का आधार बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य पात्र बच्चों के लिए प्रवेश प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाना है।

निर्धारित दूरी के बच्चों को मिलेगी प्रथम प्राथमिकता

स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि नियमानुसार निर्धारित दूरी के भीतर निवास करने वाले पात्र बच्चों को प्रवेश में प्रथम प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अंतर्गत कक्षा पहली से पांचवीं के लिए शून्य से एक किलोमीटर तथा कक्षा छठवीं से आठवीं के लिए शून्य से तीन किलोमीटर की भीतर निवास करने वाले पात्र बच्चों को प्रवेश में प्रथम प्राथमिकता दी जाएगी।

बच्चों ने इंस्टिट्यूट को रंगोली एवं दिपो से सजाया

प्रज्ञा इंस्टिट्यूट एवं प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन में हर्षोल्लास से मनाया दीवाली का पर्व

अतिशबाजी कर मनाया खुशियों का पर्व

भटगांव, प्रज्ञा इंस्टिट्यूट व प्रखर कंप्यूटर एजुकेशन में दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया गया.

दीपावली का पर्व मे कार्यक्रम की शुरुआत मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा से हुई। पूरे संस्थान को दीपों, रंगोली और लाइटों से सजाया गया।> बच्चों ने सुंदर रंगोली बनाई, दीप जलाए और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इंस्टिट्यूट संचालक व पत्रकार के. पी. पटेल एवं सह संचालक प्रमोदिनी पटेल ने बच्चों को मेहनत, अनुशासन और संस्कार के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

> बच्चों ने सुरक्षित और स्वच्छ दीपावली मनाने का संदेश



भी दिया।

वहीं पूजा अर्चना के पश्चात ढाबा चौक मे विराजे माँ लक्ष्मी का दर्शन किया कर नगरवासियो के सुख समृद्धि व लोक मंगल की प्रार्थना किये.



वहीं इस दीपावली मे प्रज्ञा परिवार ने एक साथ दीप प्रज्वलित किया, सामूहिक पूजा अर्चना करते हुए अतिशबाजी किया और दीपावाली पर्व का आनंद लिया और लोगों को सन्देश दिया कि सुख दुःख मे हमेशा एक



दूसरे का साथ देना चाहिए और कोई भी समस्या हो एक साथ मिलकर हल करना चाहिए तभी परिवार की उन्नति हो सकती है और परिवार के उन्नति से समाज का विकास भी होगा जिससे समाज के साथ गाँव, नगर, राज्य तथा देश का विकास सुनुश्चित है.

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग पर गंभीर सवाल, बिना टेंडर को लैब संचालन का जिम्मा!

दूसरे राज्यों में भारी छूट, फिर छत्तीसगढ़ में महज 14त्न डिस्काउंट पर पांच साल का करार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में लैब संचालन और जांच व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ञ्जक्कद करंट पोस्ट में प्रकाशित एक पड़ताल के अनुसार, प्रदेश में बिना टेंडर ॥ऱ्रु को लैब संचालन का जिम्मा दिए जाने और पांच वर्षों के लिए किए गए अनुबंध की शर्तों पर सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट में दूसरे राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ में मिलने वाले डिस्काउंट को भी जांच का विषय बताया गया है। ससस दूसरे राज्यों में 69 से 81 प्रतिशत तक छूट, छत्तीसगढ़ में सिर्फ 14 प्रतिशत ! रिपोर्ट में मध्यप्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए बताया गया है कि वहां ॥ऱ्रु को क्रमशः 81त्न, 77त्न और 24त्न तक डिस्काउंट मिला, जबकि छत्तीसगढ़ में केवल 14त्न छूट पर पांच साल के लिए काम दिए जाने का दावा किया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दूसरे राज्यों में अधिक छूट पर काम हो सकता है, तो छत्तीसगढ़ में कम छूट पर अनुबंध करने के पीछे क्या वजह रही? ससस ष्ठ्वष्ट जांच 45 रुपये से बढ़कर 197 रुपये !

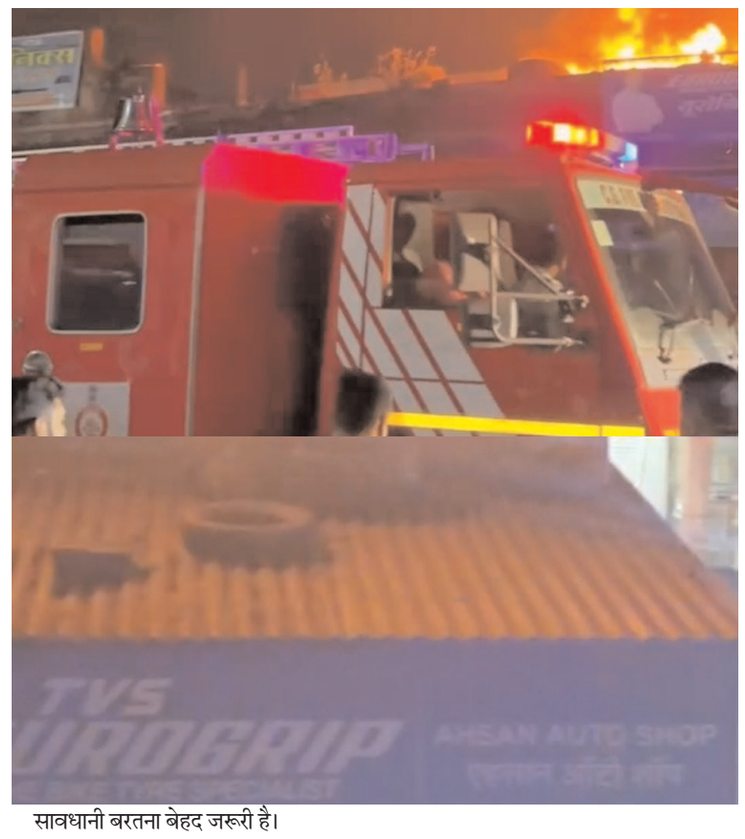


पड़ताल में जांच दरों में भारी अंतर का मुद्दा भी उठाया गया है। प्रकाशित तुलनात्मक तालिका के अनुसार ष्ठ्वष्ट जांच की पुरानी दर 45 रुपये थी, जबकि नई दर 197 रुपये बताई गई है। इसी तरह ग्लूकोज जांच 22 रुपये से बढ़कर 197 रुपये, बिलीरुबिन की जांच 277 रुपये से 847 रुपये और क्रिएटिनिन जांच 41 रुपये से 67 रुपये दर्शाई गई है। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि जांच दरों में इस बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर चार से पांच गुना तक अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। ससस 500 करोड़ का दावा, 2000 करोड़ के खर्च का अनुमान ! प्रकाशित रिपोर्ट में 500 करोड़ रुपये के कुल खर्च और लगभग 2000 करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च का उल्लेख करते हुए वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल उठाए गए हैं। साथ ही यह भी पूछा गया है कि क्या अनुबंध से पहले सभी विकल्पों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया था?

सारंगढ़ बस स्टैंड के पास टायर दुकान में लगी आग

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़ बिलाईगढ़,

जिले के बस स्टैंड के पास देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक टायर दुकान के ऊपर रखे पुराने टायरों और कबाड़ में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लेना शुरू कर दिया। हालांकि, समय रहते दमकल की मदद से आग पर काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया।यह मामला बस स्टैंड के पास का है, जहां देर रात करीब 11 बजे एक टायर दुकान के ऊपर रखे पुराने टायरों और कबाड़ में अचानक आग लग गई। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, दीपावली का पर्व होने के चलते आशंका जताई जा रही है कि पटाखे की चिंगारी से आग लगी होगी।घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय बंजारे दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। दमकल की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।इस आगजनी में पुराने टायर और कबाड़ जलकर खाक हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही कोई बड़ी घटना घटी। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। दीपावली के दौरान पटाखे जलाते समय



सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

खेत में करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से दो सांभरों की मौत, तीन संदिग्ध फरार।

एक सांभर को पकाकर खाने या बेचने की आशंका भी जताई जा रही है



एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़ बिलाईगढ़,

जिले के ग्राम पंचायत सोंडका से वन्यजीवों के अवैध शिकार का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां खेत में अवैध रूप से बिछाए गए करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से दो सांभरों की मौत हो गई। वहीं, एक सांभर को पकाकर खाने या बेचने की आशंका भी जताई जा रही है।



मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग और पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वन विभाग के मुताबिक, इस मामले में तीन संदिग्धों की पहचान हुई है, लेकिन तीनों फिलहाल फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

वहीं, मृत सांभरों का पोस्टमार्टम कराकर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बड़ा सवाल यह है कि आखिर खेतों में अवैध रूप से करंट प्रवाहित तार बिछाकर बेजुबान वन्यजीवों की जान लेने वालों पर कब सख्त कार्रवाई होगी?



क्षेत्र में वन्यजीवों के अवैध शिकार की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे में केवल कार्रवाई का आश्वासन नहीं, बल्कि दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लगाना वन विभाग के सामने बड़ी चुनौती है।

अब देखना होगा कि वन विभाग इस मामले में फरार संदिग्धों को कब तक गिरफ्तार कर पाता है और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए आगे क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

उक्त गंभीर मामले को लेकर सी सी एफ बिलासपुर मनोज पांडेय बिलाईगढ़ दौरे पर

तेंदुए की मौत के प्रकरण में विद्युत करंट से शिकार दो आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ बिलाईगढ़

वन परिक्षेत्र बिलाईगढ़ अंतर्गत कक्ष क्रमांक 446 में दिनांक 07.11.2026 को गश्ती के दौरान एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में पाया गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही वन विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20905/2, दिनांक 07.11.2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

जांच के दौरान घटनास्थल से गेड़ी, सब्बल एवं जी.आई. तार सहित अन्य सामग्री बरामद की गई। जिला स्तरीय पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा तेंदुए का शव परीक्षण किया गया तथा मृत्यु के वास्तविक कारणों की जांच हेतु आवश्यक नमूने एकत्रित कर सीलबंद किए गए। इसके पश्चात नियमानुसार शव का अंतिम



संस्कार किया गया। प्रकरण की जांच में डॉग स्क्वायड की सहायता ली गई। जांच के दौरान ग्राम गोंदली में खेत में तार बिछाकर विद्युत खंभे से अवैध रूप से करंट प्रवाहित कर वन्यप्राणी का शिकार किए जाने के साक्ष्य प्राप्त हुए। उपलब्ध साक्ष्यों एवं डॉग स्क्वायड से प्राप्त संकेतों के आधार पर दो आरोपियों होरीलाल/किरीट यादव एवं फागूलाल/गणपत यादव , दोनों निवासी ग्राम गोंदली, को गिरफ्तार किया गया। दोनों



आरोपियों को दिनांक 09.11.2026 को माननीय न्यायालय बिलाईगढ़ के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। प्रकरण की विवेचना जारी है तथा अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है।

यहां यहां बताना लाजिमी है कि वन विभाग बिलाईगढ़ परिक्षेत्र में रेंजर से लेकर अधिकांश कर्मचारी स्थानीय होने के कारण अक्सर घर में ही रहते हैं वनक्षेत्र में ड्यूटी करते ही नहीं है,तथा दबंग मैदानी कर्मचारियों तथा फुल प्लेस रेंजर का अभाव कई वर्षों से बना हुआ है इसके कारण क्षेत्र में अवैध कारोबार तेजी से फल फूल रहा है।जिसके वजह से बिलाईगढ़ से लगा जंगल आज 15 किलोमीटर दूर नजर आता है ,चाहे जंगल कटाई का मामला हो या वन्य प्राणी शिकार का मामला या जंगल में आगजनी की घटना, चाहे रिजर्व फॉरेस्ट एरिया में अतिक्रमण का मामला, इस तरह के अवैध कारोबारों पर कोई रोक-टोक नहीं होने से अंदाजा लगाया जा सकता है यहां के अधिकारी कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति कितने सक्रिय एवं जागरूक है । प्रबुद्ध नागरिको एवम रहवासियो ने इस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग किया है । इस घटना के संबंध में सीसीएफ बिलासपुर मनोज पांडे का बिलाईगढ़ आगमन हुआ इन्होंने घटनास्थल एवं घटना से जुड़े तथ्यों को बारीकी से देखा। उनका कहना है कि अभी थोड़ा गोपनियता बरतते हुए प्रक्रिया नियमानुसार कर रहे हैं ताकि जितने भी मुलजिम है जल्द से पकड़ में आ जाए फिर इसमें जो भी दोषी होंगे उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

न्यूज इन शॉर्ट



छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का अहम फैसला! पंचायत चुनाव याचिका में री-काउंटिंग की मांग न होना खारिज करने का आधार नहीं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव से जुड़ी एक महत्वपूर्ण चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि चुनाव परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका में दोबारा मतगणना (री-काउंटिंग) की मांग न किया जाना, याचिका को खारिज करने का आधार नहीं हो सकता। अदालत के अनुसार, वोटों की मतगणना और टेबुलेशन (सारणीकरण) में गड़बड़ी के आरोपों की सच्चाई का परीक्षण चुनाव न्यायाधिकरण में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही किया जाना चाहिए।उल्लेखनीय है कि पंचायत चुनाव की मतगणना 23 फरवरी 2025 को संपन्न हुई थी। परिणाम घोषित होने के बाद मतगणना और वोटों के सारणीकरण में धांधली का आरोप लगाते हुए चुनाव याचिका दाखिल की गई थी। इसके जवाब में निर्वाचित प्रत्याशी ने सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 7 नियम 11 के तहत याचिका को शुरुआती स्तर पर ही खारिज कराने के लिए आवेदन दिया था।

हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल दोबारा गिनती (री-काउंट) की मांग न करने का मतलब यह नहीं है कि वोटों की गिनती और उनके मिलान के दौरान हुई गड़बड़ियों की जांच नहीं की जा सकती। चुनाव को लेकर लगाए गए आरोपों की सच्चाई का पता ट्रिब्यूनल के सामने पेश किए गए सबूतों के आधार पर चलेगा। चुने गए उम्मीदवार की याचिका को खारिज करते हुए, कोर्ट ने चुनाव ट्रिब्यूनल के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें कार्यवाही जारी रखने का निर्देश दिया गया था।हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब चुनाव न्यायाधिकरण में संबंधित याचिका पर आगे की सुनवाई का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। ध्यान दें कि उच्च न्यायालय के इस आदेश का यह अर्थ नहीं है कि चुनाव में अनियमितताओं के आरोप साबित हो गए हैं। इन आरोपों की सच्चाई के बारे में अंतिम निर्णय चुनाव न्यायाधिकरण (इलेक्शन ट्रिब्यूनल) द्वारा लिया जाएगा, जो पेश किए गए सबूतों और संबंधित कानूनी प्रावधानों पर आधारित होगा।

सूरजपुर में हाथियों का खूनी हमला, एक ही रात में दो ग्रामीणों की मौत

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ही रात में दो अलग-अलग घटनाओं में हाथियों के हमले से दो ग्रामीणों की मौत हो गई। इस घटना के बाद आसपास के गांवों में डर का माहौल है। हाथियों की बढ़ती आवाजाही से ग्रामीणों में अपनी जान और फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।जानकारी के अनुसार, हाथी के हमले की पहली घटना प्रतापपुर क्षेत्र के सकलपुर में हुई। यहां कबरा कान वाले हाथी ने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना सूरजपुर वन परिक्षेत्र के सलका बीट अंतर्गत सोनपुर में सामने आई। यहां भी एक हाथी ने ग्रामीण को अपना शिकार बना लिया।बताया गया कि ग्राम पंचायत सोनपुर के पण्डोपारा निवासी 40 वर्षीय मट्ठूलाल पिता लालसाय अपने घर के पास धान की फसल की रखवाली कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हाथी वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। हमले में मट्ठूलाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में मातम पसर गया। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक ही रात में दो लोगों की जान जाने से ग्रामीणों में हाथियों को लेकर भय और बढ़ गया है। जिले में लगातार हो रही हाथियों के हमले की घटनाओं से ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। खेतों में खड़ी धान की फसल की रखवाली करना भी लोगों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहा है। हाथियों की मौजूदगी के कारण ग्रामीणों में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

15 हजार रुपये के ऋण से शुरू की छोटी दुकान, आज किराना बकरी पालन और सब्जी की खेती से मजबूत हुई आर्थिक स्थिति

बिहान योजना से विनीता सिंह को मिला आत्मनिर्भरता का संबल, स्वरोजगार से बनीं लखपति दीदी

एक सत बुलेटिन ➤ अम्बिकापुर

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आर्थिक सहायता प्राप्त कर विभिन्न आजीविका गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। इससे न केवल उनकी आय के साधन बढ़ रहे हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मुटकी की श्रीमती विनीता सिंह ने भी बिहान योजना से



जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया और आज लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं।शक्ति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी श्रीमती विनीता सिंह बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। आय के पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे समय में बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने पहली बार 15 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और गांव में एक छोटी दुकान शुरू की। दुकान संचालन से उन्हें आय का साधन मिला और परिवार की आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आने लगा।

50 हजार रुपये के ऋण से बढ़ाया व्यवसाय, बकरी पालन से आय के नए अवसर

श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि दुकान संचालन से मिले अनुभव और समूह के सहयोग ने उन्हें व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग दुकान में सामान बढ़ाने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। साथ ही उन्होंने बकरी पालन का कार्य भी शुरू किया। इससे उनकी आजीविका के साधनों में वृद्धि हुई और परिवार को अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला। उन्होंने अपनी मेहनत और समूह से मिले सहयोग के माध्यम से स्वरोजगार गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाया।

सिंचाई साधन से मिली सुविधा, सब्जी की खेती को बनाया आजीविका का आधार

विनीता सिंह ने अपनी आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए कृषि गतिविधियों की ओर भी कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण खेती एवं घरेलू आवश्यकताओं में परेशानी होती थी।

मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी

रायपुर में शराब दुकान का ताला टूटा, 80 बोतल अंग्रेजी शराब ले उड़े चोर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चोरी का एक मामला सामने आया है। इस बार अज्ञात चोरों ने किसी मकान या दुकान में रखी नकदी नहीं, बल्कि शराब दुकान को निशाना बनाया है। लाभांडी स्थित शराब दुकान का ताला तोड़कर चोर करीब 80 बोतल अंग्रेजी शराब चोरी कर फरार हो गए। चोरी गई शराब की कीमत लगभग 34 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना की शिकायत मिलने के बाद तेलीबांधा थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



दुकान में रखी करीब 80 बोतल अंग्रेजी शराब चोरी की है। इनकी कुल कीमत लगभग 34 हजार रुपये आंकी गई है। चोरी की इस घटना के बाद संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और वारदात में शामिल अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

ताला तोड़कर शराब दुकान में घुसे चोर

मिली जानकारी के अनुसार, राजधानी के लाभांडी इलाके में स्थित शराब दुकान में अज्ञात चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पहले दुकान का ताला तोड़ा और इसके बाद अंदर प्रवेश कर वहां रखी अंग्रेजी शराब की बोतलों को निशाना बनाया। चोर दुकान से करीब 80 बोतल अंग्रेजी शराब लेकर फरार हो गए। घटना का पता चलने के बाद चोरी की जानकारी पुलिस को दी गई।जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने

तेलीबांधा पुलिस ने दर्ज किया मामला

लाभांडी स्थित शराब दुकान में चोरी की सूचना मिलने के बाद तेलीबांधा थाना पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। पुलिस अज्ञात चोरों की पहचान करने और उनकी तलाश में जुटी हुई है। फिलहाल चोरी को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।राजधानी रायपुर के लाभांडी इलाके में शराब दुकान से का मामला सामने आने के

दीवाली के बाद एक्शन मोड में नगर निगम, अपशिष्ट उठाने मैदान में डटीं स्वच्छता दीदिया

नागरिकों को आवाजाही में परेशानी न हो और शहर की सुंदरता बनी रहे

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दीपावली पर्व के बाद राजधानी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए रायपुर नगर पालिक निगम का स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। शहर की गलियों, बस्तियों और मुख्य सड़क मार्गों पर फैले दीपावली पूजा अपशिष्ट तथा आतिशबाजी के पटाखों के कचरे को हटाने के लिए सभी जोन क्षेत्रों में निरंतर सघन सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम की स्वास्थ्य टीमों, सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों के गैंग द्वारा दिन-रात काम करके जनस्वास्थ्य सुरक्षा के लिए स्वच्छता कायम की जा रही है।



जोन-वार चलाया जा रहा विशेष अभियान

राजधानी के विभिन्न ज़ोन और वार्डों में सफाई कर्मचारियों की टीमें तैनात की गई हैं। ज़ोन 2 में, जिसमें मौधापारा, जवाहर नगर, रेलवे स्टेशन रोड और नाहरपारा जैसे इलाके तथा आसपास की सड़कें और कॉलोनियां शामिल हैं, बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया गया और जमा हुआ कचरा हटाया गया। ज़ोन 1 में, खमतराई, श्रीनगर, सप्तगिरी कॉलोनी रोड और आसपास के इलाकों से कचरा और पटाखों के अवशेष हटाकर सफाई की गई। ज़ोन 3 (वार्ड 31) में, गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर के पास की मुख्य सड़कों और खम्हरडीह तालाब के आसपास से भारी मात्रा में कचरा हटाया गया, जिसमें धार्मिक चढ़ावे के अवशेष भी शामिल थे।

जनस्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष जोर

रायपुर नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, त्योहार के बाद आतिशबाजी के कचरे और खुले में पड़े पूजा अपशिष्ट से होने वाले प्रदूषण व बीमारियों के खतरे को देखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है। शहर के सभी जोनों में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों की टोलियां लगातार सड़कों की सफाई कर कचरे का निपटान कर रही हैं, ताकि नागरिकों को आवाजाही में परेशानी न हो और शहर की सुंदरता बनी रहे।



मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से पूरी हो रही तीर्थयात्रा की अभिलाषा

रायपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत खैरागढ़-छुईखदान- गंडई जिले के 21 तीर्थयात्रियों का जत्था आज कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना हुआ। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रांत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया और यात्रियों की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार चयनित ये तीर्थयात्री स्वर्ण मंदिर एवं माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन करेंगे। यात्रा के दौरान दल वाघा बॉर्डर का भी भ्रमण करेगा।रवानगी से पूर्व कलेक्ट्रेट परिसर में अतिथियों ने तीर्थयात्रियों का पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। स्थलों के दर्शन का अवसर उपलब्ध करा रही है।

2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं और नौवीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए सैनिक स्कूल अंबिकापुर सहित देशभर के सैनिक स्कूलों एवं नवीन सैनिक स्कूलों में कक्षा छठवीं और नौवीं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा का आयोजन 31 जनवरी 2027 को किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ के सैनिक स्कूल अंबिकापुर के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 नवंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन आवेदन एवं परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2026, रात्रि 11.50 बजे तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं कर पाने वाले अभ्यर्थी विलंब शुल्क के साथ (500 रुपये अतिरिक्त राशि के साथ) 3 से 6 दिसंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 7 से 9 दिसंबर 2026 तक अवसर प्रदान किया जाएगा।छत्तीसगढ़ पर्यटन गाइड

31 जनवरी को होगी प्रवेश परीक्षा

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी 2027 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र के शहर की जानकारी 11 जनवरी 2027 को जारी की जाएगी, जबकि प्रवेश पत्र 25 जनवरी 2027 से एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी तथा पेन-पेपर मोड में ओएमआर शीट के माध्यम से आयोजित की जाएगी। कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा की अवधि 2.30 घण्टा (150 मिनट) की होगी तथा परीक्षा 13 माध्यमों में आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा नौवीं के लिए परीक्षा की अवधि 180 मिनट होगी और परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाएगी।

एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध है विस्तृत जानकारी

इच्छुक अभ्यर्थी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए पात्रता, आयु सीमा, आरक्षण, परीक्षा पाठ्यक्रम, परीक्षा शुल्क एवं अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी सूचना पुस्तिका में उपलब्ध है। के दूरभाष नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

लाभ उठाने के लिए, किसानों को कुछ अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी।

सीजी में धान छोड़ें, 15,000 पाएं! नई फसलों की खेती पर बंपर आर्थिक सहायता

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को धान के अलावा अन्य फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इसके लिए, सरकार कृषक उन्नति योजना के तहत आर्थिक सहायता दे रही है। इस योजना के अंतर्गत, खरीफ 2026 सीजन के लिए, जो किसान धान की जगह दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी (छोटे अनाज), रागी या कपास की खेती करेंगे, उन्हें प्रति एकड़ ?15,000 दिए जाएंगे। जो किसान पहले से ही इन फसलों की खेती कर रहे हैं, उन्हें प्रति एकड़ 10,000 का प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस योजना का लाभ उठाने के लिए, किसानों को कुछ अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी।

पारंपरिक धान की खेती पर निर्भरता कम करने



और किसानों की आय कई गुना बढ़ाने के उद्देश्य से भटगांव अंचल में फसल विविधीकरण का एक नया मॉडल तेजी से उभर रहा है। क्षेत्र में औषधीय गुणों से भरपूर काले चावल की जैविक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने दानसरा गांव के कुरो किस्म के काले चावल के खेतों का निरीक्षण किया और किसानों से उत्पादन एवं बाजार की संभावनाओं पर सीधी चर्चा की।

इन शर्तों को करना होगा पूरा

इस योजना का लाभ लेने के लिए, किसानों का इंटीग्रेटेड फार्मर्स पोर्टल और एग्री स्टेक पोर्टल पर पंजीकरण कराना आवश्यक है। 15,000 रुपये की राशि प्राप्त करने के लिए, किसान को खरीफ 2026 में धान के बजाय कोई दूसरी फसल उगानी होगी और उसे इंटीग्रेटेड फार्मर्स पोर्टल पर पंजीकृत कराना होगा। इसके अलावा, किसान के खेत में धान की खेती का पूरा रिकॉर्ड और पिछले खरीफ सीजन की गिरदावरी (फसल का विवरण) होना भी जरूरी है।

35 हजार रुपये क्विंटल तक का प्रीमियम भाव

कृषि विभाग के अनुसार, भटगांव क्षेत्र में लगभग 200 किसान 340 एकड़ जमीन पर जैविक तरीके से काले चावल की खेती कर रहे हैं। किसानों ने अपनी उपज बेचने के लिए एक निजी कंपनी के साथ अनुबंध किया है। इस समझौते के तहत, किसानों को अपनी फसल के लिए प्रति क्विंटल 25,000 रुपये से 35,000 रुपये तक की प्रीमियम कीमत मिलेगी। किसान मनोज कुमार साहू ने बताया कि प्रति एकड़ लगभग 15 क्विंटल पैदावार होने की उम्मीद है, जिससे पारंपरिक धान की खेती की तुलना में काफी अधिक मुनाफा होगा।

आगामी सीजन में 1,000 हेक्टेयर का लक्ष्य, ?15,000 सब्सिडी

कलेक्टर ने कृषि अधिकारियों को किसानों को हर संभव तकनीकी सहायता देने के निर्देश दिए। साथ ही शासन की कृषक उन्नति योजना के तहत फसल विविधीकरण अपनाने वाले किसानों को 15,000 प्रति एकड़ की इनपुट सब्सिडी देने के लिए पंजीयन तेज करने को कहा। प्रशासन का लक्ष्य आगामी खरीफ सीजन तक इसका दायरा बढ़ाकर 1,000 हेक्टेयर करने का है।

स्कूली छात्र बनेंगे मिट्टी परीक्षण के विशेषज्ञ

इसके बाद कलेक्टर ने मुड़ियाडीह में पीएम श्री योजना के तहत स्कूलों में स्थापित मिनी सॉयल टेस्टिंग लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने कृषि संकाय के विद्यार्थियों को मिट्टी परीक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया, ताकि छात्र मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के प्रति जागरूक हो सकें और क्षेत्र की मिट्टी की जांच में योगदान दे सकें।

पंजाब के ट्रेड प्लान पर सवाल



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह की अदला-बदली को लेकर में चर्चा तेज है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने पंजाब किंग्स के इस फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे मुंबई इंडियंस के लिए शानदार सौदा बताया है। वहीं, आकाश चोपड़ा का मानना है कि अर्शदीप के जाने से पंजाब की गेंदबाजी कमजोर हो सकती है।किसी भी टीम की ताकत सिर्फ उसके बड़े सितारे नहीं, बल्कि वह खिलाड़ी भी होते हैं जो मुश्किल वक्त में मैच का रुख बदल देते हैं। पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह ऐसे ही गेंदबाज रहे हैं। अब हार्दिक पंड्या को टीम में लाने के लिए उन्हें छोड़ने की तैयारी है। ऐसे में पंजाब के इस फैसले के फायदे से ज्यादा नुकसान पर चर्चा शुरू हो गई है। हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह की अदला-बदली को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने पंजाब किंग्स के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि इस ट्रेड से मुंबई इंडियंस को ज्यादा फायदा होता दिख रहा है। वहीं, आकाश चोपड़ा ने अर्शदीप के जाने से पंजाब की गेंदबाजी कमजोर होने की आशंका जताई है। आईपीएल में खिलाड़ियों की अदला-बदली का एक बड़ा फैसला पंजाब किंग्स के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है। हार्दिक पिछले तीन सीजन से मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे थे। अब वह पंजाब की जर्सी में नजर आ सकते हैं। हालांकि, इस ट्रेड को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने सवाल खड़े किए हैं। उनका मानना है कि यह सौदा मुंबई इंडियंस के लिए शानदार है, लेकिन पंजाब किंग्स के लिहाज से इस पर सवाल उठना लाजिमी है। मुंबई को फायदा, पंजाब के फैसले पर सवाल अभिनव मुकुंद के मुताबिक पंजाब किंग्स ने पिछले मेगा ऑक्शन में अपनी टीम के तीन बड़े खिलाड़ियों अर्शदीप सिंह, श्रेयस अय्यर और युजवेंद्र चहल पर काफी पैसा खर्च किया था। ऐसे में अगर फ्रेंचाइजी अब अपने इसी कोर ग्रुप में बदलाव करना चाहती है तो उसके फैसले के पीछे की वजह समझना जरूरी है।

किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में आमने-सामने थे



सेनेगल के साली बीच पर यूथ ओलंपिक गेम्स-2026 के बीच रेसलिंग मुकाबले में यूक्रेन के मिकिता कुजमेंको और ईरान के कियाराश तोराबी के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दोनों खिलाड़ी पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में आमने-सामने थे।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए महिला टीम का ऐलान



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट की टीमों का ऐलान हो गया है. दिसंबर में होने वाले इस दौरे पर भारत एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगा. दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को टेस्ट मुकाबले से होगी.

साल के आखिरी महीने में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का साउथ अफ्रीका में बड़ा इम्तिहान होने वाला है. इस दौरे पर टीम इंडिया टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में मेजबान टीम से भिड़ेगी. इसके लिए भारतीय चयनकर्ताओं ने तीनों फॉर्मेट की टीमों का ऐलान कर दिया है. स्मृति मंधाना को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी गई है. वह टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों में कप्तानी करेंगी।

ऐसे में बाकी दोनों मैच पूरे होने की उम्मीद है

भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला तीसरा वनडे मैच रद्द कर दिया गया। हैमिल्टन में मंगलवार को सिर्फ टॉस हो सका। तय किया गया कि मुकाबला 40-40 ओवर का होगा। लेकिन, लगातार बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द कर दिया गया।यह मैच धुल जाने से इतना तय हो गया है कि टीम इंडिया अब यह सीरीज नहीं हार सकती। पांच मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबले भारत जीत चुका है। अब अगर न्यूजीलैंड आखिरी दो मैच जीत भी लेता है तो भी सीरीज बराबर ही होगी।

सबसे ज्यादा वनडे रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम



वनडे क्रिकेट में बारिश सहित अन्य कारणों से सबसे ज्यादा मैच रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम ही दर्ज है। भारत ने अब तक 1086 वनडे खेले हैं। इनमें से 44 रद्द हुए हैं। न्यूजीलैंड के 860 वनडे में से 44 रद्द हुए हैं।

भारत सीरीज में 2-0 से आगे

हैमिल्टन में लगातार बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द हो गया। मैच रद्द होने के साथ ही दोनों टीमों के खिलाड़ी हाथ मिलाते नजर आए। अब सीरीज के बाकी दो मुकाबले 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे। भारत 5 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। माउंट माउंगानुई में फिलहाल मौसम अच्छा रहने का अनुमान है, ऐसे में बाकी दोनों मैच पूरे होने की उम्मीद है।

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की



स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कॉस्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है।

यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस



हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है।

अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश= 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमश= 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश= 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमश= 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।



खत्म होगा मानव

एआई तेजी से इंसानी जिंदगी का हिस्सा बन रहा है. हालांकि, इसकी बढ़ती ताकत के साथ खतरे की आशंकाएं भी बढ़ रही हैं। एआई एक्सपर्ट्स से लेकर बड़ी टेक कंपनियों के पूर्व कर्मचारी तक चेतावनी दे रहे हैं कि यह तकनीक भविष्य में इंसानों के लिए चुनौती बन सकती है। ऐसे में सवाल है कि एआई सचमुच मानव सभ्यता के लिए खतरा है या इसके डर के पीछे खरबों डॉलर का कारोबार भी हैकंपनियों के बड़े अधिकारी और उनके अपने पूर्व कर्मचारी चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले सालों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानों के लिए खतरा बन सकता है। कोई कह रहा है- ब्द्ब एवेंजर्स के विलेन थैनॉस की तरह आधी दुनिया खत्म कर देगा। हालांकि किसी के पास इसका जवाब नहीं है कि ये कैसे होगा और कब होगा। वजह ये है कि आज जो बात- ब्द्ब को लेकर लिखी और कही जा रही है वो कल गलत साबित हो सकती, क्योंकि चीजें इतनी तेजी से बदल रही है जितना इंसान ने सोचा नहीं होगा। इनोवेशन जो दशकों में होता था वो हफ्तों में हो रहा है।

अजीब बात ये है कि तमाम बड़ीकंपनियां खुद पर ही रेगुलेशन लगाने की बात कर रही हैं। ये महज एक दिखावा लगता है। क्योंकि ओपन एजेंट अब ऐसे काम भी कर रहे हैं जिनके लिए पहले इंसानों की जरूरत पड़ती थी। ऐसे में सवाल है कि क्यावाकई इंसानों को खत्म कर सकता है, या इसके खतरे को लेकर कुछ ज्यादा ही डर बेचा जा रहा है?मैं 11 सालों से टेक्नोलॉजी को कवर कर रहा हूं और काफी करीब से बदलाव देख रहा हूं। इस दौरान हर नई तकनीक के साथ बड़े दावे और बड़े डर देखे हैं। इंटरनेट आया तो कहा गया कि दुनिया बदल जाएगी। स्मार्टफोन आया तो लगा कि हर काम फोन से होगा और कंप्यूटर खत्म हो जाएगा। सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने का वादा किया, लेकिन उसी ने फेक न्यूज और ऑनलाइन नफरत को भी बढ़ाया।

विचार

निशाना ईरान था पर शिकार वाशिंगटन हुआ

- ललित गर्ग

लेकख

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तिजोरी की चाबी उनके हाथ में है- फेडरल खर्च को कांग्रेस की मंजूरी मिलना अनिवार्य है।सीनेट शीर्ष पदों पर नियुक्तियों, राजदूतों और न्यायाधीशों को भी मंजूरी देती है। इससे डेमोक्रेट्स को प्रशासन के गठन और दिशा पर वास्तविक बढ़त मिलती है। प्रतिनिधि सभा में महाभियोग की संभावना तो बनी रहती है, लेकिन पद से हटाने के लिए सीनेट में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी — जो कि एक बहुत ही कठिन काम है।ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दो वर्षों के दौरान, अलोकप्रिय नीतियों के लिए एक अनुकूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया जा सकता था। वह बहाना अब खत्म हो चुका है।

मेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों ने न सिर्फ कांग्रेस (संसद) के स्वरूप और संरचना को बदल दिया है, बल्कि वाशिंगटन के राजनीतिक माहौल में भी बदलाव किया है, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कमजोर किया है, और दुनिया भर के नेताओं को एक चेतावनी भेजी है- विदेशी युद्धों की भारी घरेलू राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ती है।डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) और सीनेट दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है, जिससे पूरे संघीय सरकार पर रिपब्लिकन पार्टी का नियंत्रण खत्म हो गया है। डेमोक्रेट्स ने सात सीनेट सीटों और दो दर्जन से अधिक हाउस सीटों पर जीत दर्ज की है, जिसमें वे निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हैं जहां से 2024 में ट्रंप को जोरदार समर्थन मिला था। यह परिणाम राष्ट्रपति और उनकी पार्टी के लिए एक तीखी फटकार है।

इसका तात्कालिक कारण जीवनयापन की बढ़ती लागत है। अमेरिकी नागरिक पेट्रोल, डीजल और किराने के सामान की ऊंची कीमतों से नाराज थे। फरवरी के अंत में ईरान के साथ शुरू हुए युद्ध ने ऊर्जा की कीमतों को और बढ़ा दिया, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी और महंगी हो गई।खबरों के मुताबिक सितंबर में डीजल की कीमतें 6।50 डॉलर प्रति गैलन को पार कर गईं, जबकि जून में पेट्रोल 5 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर चला गया। महंगाई अब नवंबर 2024 की तुलना में ज्यादा है। एक आर्थिक विश्लेषण का अनुमान है कि युद्ध शुरू होने के बाद से ऊर्जा की ऊंची कीमतों के कारण औसत अमेरिकी परिवार को लगभग 1,230 डॉलर का नुकसान हुआ है।

ट्रंप ने ÷कभी समाप्त न होने वाले युद्धों÷ को खत्म करने का वादा किया था, लेकिन विडंबना यह है कि उन्होंने खुद ईरान के खिलाफ एक युद्ध शुरू कर दिया, जिसका अंत आठ महीने बाद भी दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा है। मतदाता सैद्धांतिक रूप से हर सैन्य कार्रवाई का विरोध



भले न करते हों, लेकिन उन्हें वह कीमत बिल्कुल पसंद नहीं आई जो पेट्रोल पंप पर, मालभाड़े में और घरेलू बजट के रूप में चुकानी पड़ी।ट्रंप ने स्वीकार किया है कि पेट्रोल की कीमतों ने उनकी पार्टी के प्रदर्शन को नुकसान पहुंचाया है, हालांकि वे अभी भी इस युद्ध को उचित ठहराते हैं। यह अंतर मायने रखता है। एक राष्ट्रपति यह मान सकता है कि कोई युद्ध रणनीतिक रूप से जरूरी है। फिर भी मतदाता यह फैसला कर सकते हैं कि वे इसका खर्च नहीं उठा सकते।डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत ट्रंप को पद से नहीं हटाती है। वह राष्ट्रपति बने रहेंगे, उनके पास वीटो पावर बनी रहेगी, वह कार्यपालिका का संचालन करेंगे और अमेरिकी विदेश नीति का नेतृत्व करेंगे। लेकिन अब उनके काम करने की आजादी पर अंकुश लग गया है।डेमोक्रेट्स किसी भी कानून को रोक सकते हैं या उसमें संशोधन कर सकते हैं। वे संसदीय समितियों के जरिये प्रशासन की जांच कर सकते हैं। वे अधिकारियों को तलब कर सकते हैं, दस्तावेजों की मांग कर सकते हैं और सार्वजनिक सुनवाई कर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तिजोरी की चाबी उनके हाथ में है- फेडरल खर्च को कांग्रेस की मंजूरी मिलना अनिवार्य है।सीनेट शीर्ष पदों पर नियुक्तियों, राजदूतों और न्यायाधीशों को भी मंजूरी देती है। इससे डेमोक्रेट्स को प्रशासन के गठन और दिशा पर वास्तविक बढ़त मिलती है। प्रतिनिधि सभा में महाभियोग की संभावना तो बनी रहती है, लेकिन पद से हटाने के लिए सीनेट में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी – जो कि एक बहुत ही कठिन काम है।ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दो वर्षों के दौरान, अलोकप्रिय नीतियों के लिए एक अनुकूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया जा सकता था। वह बहाना अब खत्म हो चुका है।

विचार

वैज्ञानिकों की चेतावनी और बढ़ती आपदाओं

- प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक

आंकड़े खुद इस बर्बादी की कहानी बयां करते हैं। कनाडा में साल 2025 में लगी जंगलों की आग में लगभग 89 लाख हेक्टेयर का क्षेत्र जलकर खाक हो गया। मध्य उत्तर चीन में आई भीषण बाढ़ से 70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए और लगभग 25 अरब डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ। वहीं, सोमालिया, इथियोपिया और केन्या में सूखा पड़ने से 1 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हैं, जिन्हें जीवित रहने के लिए मानवीय खाद्य सहायता की सख्त जरूरत है।

ग्लोबल क्लाइमेट समिट COPxv (कॉप31) की राह उन समुदायों के बीच से होकर गुजरती है, जो आज भी प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहे हैं। नेपाल में, हाल ही में आई बाढ़ ने स्वास्थ्य केंद्रों को तबाह कर दिया, सड़कें तोड़ दीं और हजारों परिवारों को बेसहारा छोड़ दिया। इसके अलावा, अत्यधिक गर्मी, जंगलों की आग, सूखा और बेमौसम बाढ़ ने भी लोगों के जीवन और उनकी आजीविका को भारी नुकसान पहुंचाया है।आंकड़े खुद इस बर्बादी की कहानी बयां करते हैं। कनाडा में साल 2025 में लगी जंगलों की आग में लगभग 89 लाख हेक्टेयर का क्षेत्र जलकर खाक हो गया। मध्य उत्तर चीन में आई भीषण बाढ़ से 70 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए और लगभग 25 अरब डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ। वहीं, सोमालिया, इथियोपिया और केन्या में सूखा पड़ने से 1 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हैं, जिन्हें जीवित रहने के लिए मानवीय खाद्य सहायता की सख्त जरूरत है।ष

वैज्ञानिक चेतावनियां साफ दिखा रही हैं कि पर्यावरण में हो रहे बदलावों के मुकाबले हमारी राजनीतिक नीतियां और कदम बहुत धीमे हैं। साल 2026 की %प्लेनेटरी हेल्थ चेक% (धरती की सेहत की जांच) रिपोर्ट से पता चलता है कि नौ में से सात %प्लेनेटरी बाउंड्रीज% (धरती को सुरक्षित रखने वाली सीमाएं) पार हो चुकी हैं। इन सीमाओं को पार करने से बड़े संकट का खतरा तो बढ़ जाता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि सारे बुरे नतीजे तय हो चुके हैं और इन्हें बदला नहीं जा सकता।वायुमंडल में ष्ट्ठ2 का स्तर लगभग 426 पीपीएम तक पहुंच गया है, जो कि सुरक्षित मानी जाने वाली 350 पीपीएम की सीमा से काफी ऊपर है। जंगलों का दायरा अपनी कुल क्षमता का सिर्फ 64त्न बचा है, जबकि इसे सुरक्षित स्तर के लिए 78त्न होना चाहिए था। नदियों और जलस्रोतों के प्रवाह में भारी बदलाव आया है, जिसने बर्फ-मुक्त जमीन के 22।6त्न हिस्से को प्रभावित किया है, जबकि इसका सुरक्षित स्तर 12।9त्न ही था।ये सारे दबाव मिलकर संकट को और बड़ा कर रहे हैं- नष्ट होते जंगल कम कार्बन सोख पाते हैं और पानी के बहाव को भी ठीक से नहीं संभाल पाते, वहीं समुद्र का बढ़ता तापमान समुद्री जीवों और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए बड़ा खतरा बन गया है। इंसानों द्वारा फैलाई गई ष्ट्ठ2 गैस का करीब आधा हिस्सा अब तक हमारी जमीन और समुद्र सोखते



आए हैं, लेकिन यह सुरक्षा कवच हमेशा नहीं रहेगा।मौजूदा वैश्विक वादों के हिसाब से धरती का तापमान 2।6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है- जो कि बेहद खतरनाक है। इसके लिए अब बेहद कड़े फैसलों और जमीनी कार्रवाई की जरूरत है। तापमान का 1।5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाना और समय का बीतना, खतरों को कई गुना बढ़ा देता है। बाद में धरती को ठंडा कर लेने से भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई हो जाएगी या बेघर हुए लोगों को उनका जीवन वापस मिल जाएगा।बॉन, लंदन, न्यूयॉर्क और सालाना कॉपसमिट की अपनी अलग-अलग भूमिकाएं हैं- तकनीकी बातचीत में फैसले लिए जाते हैं, राजनीतिक शिखर सम्मेलन सहयोग बढ़ाते हैं, और बिजनेस व फाइनेंस फोरम निवेश को प्रोजेक्ट्स से जोड़ते हैं। लेकिन प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि उन पर कितना अमल किया गया। जीवाश्म ईंधन को धीरे-धीरे खत्म करने, रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ाने और फंड बढ़ाने के वादों का महत्व तभी है, जब उन्हें घरेलू नीतियों, निवेश और संस्थागत क्षमता में बदला जाए।कार्यान्वयन कॉप÷ कहना कड़ी जांच की मांग करता है- वार्ताकारों को रुकावटों, जिम्मेदार संस्थाओं और समय-सीमा की पहचान करनी होगी। ऊर्जा की राजनीति अंटाल्या के फैसलों को तय करेगी। युद्ध, सप्लाई में रुकावटें और अस्थिर कीमतें रिन्यूएबल एनर्जी और कार्यकुशलता को बढ़ावा दे सकती हैं- या फिर जीवाश्म ईंधन के ऐसे बुनियादी ढांचे को जायज ठहरा सकती हैं जो दशकों के लिए राजनीतिक हितों को मजबूत कर दें। एक बार फिर राष्ट्रपति पद के नेतृत्व और घरेलू ऊर्जा हितों पर सवाल उठाता है। तुर्की कोई खाड़ी का तेल उत्पादक देश नहीं है, लेकिन इसके विरोधाभास मायने रखते हैं- बिजली उत्पादन में पवन और सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 2020 में 12त्न से बढ़कर 2025 में 22त्न हो गई, फिर भी जीवाश्म ईंधन से 56त्न बिजली की आपूर्ति हुई और पावर सेक्टर का प्रदूषण रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। रिन्यूएबल एनर्जी में हुई ज्यादातर बढ़ोतरी ने बढ़ती मांग को पूरा किया, न कि जीवाश्म ईंधन की जगह ली।विभिन्न देशों के बीच जिम्मेदारी, फंडिंग और बदलाव की रफ्तार को लेकर मतभेद हैं, क्योंकि सभी की परिस्थितियां अलग-अलग हैं। जो देश ऊर्जा की कमी, तंग बजट और कर्ज पर भारी ब्याज दरों का सामना कर रहे हैं, वे अमीर अर्थव्यवस्थाओं की नीतियों पर नहीं चल सकते। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी और विकास की जरूरतों को ध्यान में रखकर ही आपदाओं से निपटने और राष्ट्रीय स्तर पर तय रास्तों पर समझौते किए जाने चाहिए।ऊर्जा क्षेत्र में मौजूदा सालाना निवेश करीब 130 अरब डॉलर है, जो इस बदलाव के लिए जरूरी 500 अरब डॉलर के मुकाबले बेहद कम है। यही वजह है कि लक्ष्यों को हासिल करने के लिए फंड सबसे महत्वपूर्ण है।

(एक नजर)

घर में गाय का आना या अचानक खुशबू महसूस होना

दिवाली का त्योहार मां लक्ष्मी की पूजा और घर में सुख-समृद्धि की कामना के साथ मनाया जाता है। इस दिन लोग घर की सफाई करते हैं, दीपक जलाते हैं और मां लक्ष्मी की पूजा करते हैं। मान्यता है कि मां लक्ष्मी साफ-सुथरे घर में वास करती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दिवाली के बाद घर में कुछ ऐसी चीजें भी नजर आ सकती हैं, जिन्हें शुभ माना जाता है? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ये घर में खुशहाली और अच्छे समय आने के संकेत हो सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 5 शुभ संकेतों के बारे में। 1। घर में चिड़िया का आना घर की बालकनी या आंगन में चिड़ियों का आना शुभ माना जाता है। अगर दिवाली के बाद आपके घर में गौरैया या दूसरी छोटी चिड़ियां आने लगें तो इसे अच्छा संकेत माना जाता है। मान्यता है कि पक्षियों का घर में आना सुखद माहौल और खुशहाली से जुड़ा होता है। 2। तुलसी के पौधे का हरा-भरा रहना हिंदू धर्म में तुलसी कऔर उसमें नई पत्तियां आना शुभ संकेत माना जाता है।

विचार

चक्रवात और अल नीनो का डबल अटैक- मौसम की मार से निपटने के लिए कितना तैयार है हमारा कृषि तंत्र

संदीप कुमार सिंह

लेखक

जब चक्रवात अर्नब कमजोर पड़ा, तब बंगाल की खाड़ी से उठे एक और चक्रवात मुरसु ने दस्तक दे दी। इसके चलते कई राज्यों में बेमौसम बारिश और तूफान देखने को मिला। वैज्ञानिक अल नीनो के असर से मौसम के बदलते मिजाज और बार-बार आने वाली इन आपदाओं को लेकर बेहद चिंतित हैं। ऐसे में एक बड़ा सवाल खड़ा होता है-हमारे किसानों और सबसे बढ़कर भारत की खाद्य सुरक्षा का अब क्या होगापहले चक्रवात अर्नब की बात करते हैं, जिसने 120 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार वाली हवाओं के साथ पूर्वी तट के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई। जाहिर है, इस चक्रवात का खेती-किसानी पर बहुत बुरा असर पड़ा। आंध्र प्रदेश और ओडिशा इससे सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल रहे, जबकि छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, झारखंड और तेलंगाना में भी बेमौसम भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं। बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी इसका असर देखा गया।अपने रास्ते में चक्रवातअर्नब ने खेती और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। खबरों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश ने चक्रवात से हुए नुकसान की भरपाई के लिए 4,600 करोड़ रुपये से ज्यादा के



मुआवजे की मांग की है, जिसका एक बड़ा हिस्सा बुनियादी ढांचे और खेती के लिए तय किया गया है। वहीं, ओडिशा के शुरुआती कृषि सर्वे के अनुसार, वहां 90,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है।छत्तीसगढ़ जैसे राज्य अभी भी डेटा जुटा रहे हैं और नुकसान का आकलन कर रहे हैं। लेकिन, शुरुआती रिपोर्टें 50,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर फसल के नुकसान की ओर इशारा करती हैं। झारखंड ने अभी तक आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं, लेकिन खबरों के मुताबिक राज्य भर में धान और रागी की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।इन सभी राज्यों में धान की फसल को सबसे बड़ा नुकसान पहुंचा है, जहां बड़े पैमाने पर फसलों के बिछने की खबरें हैं- यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें तेज हवाएं खड़ी फसलों को जमीन पर गिरा देती हैं, जिससे कटाई करना मुश्किल हो जाता है और अनाज की गुणवत्ता भी घट जाती है।चक्रवात के समय ने स्थिति को और भी बदतर बना दिया। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कई हिस्सों में धान की फसल पकने के आखिरी चरण में थी और कुछ इलाकों में तो यह कटाई के लिए लगभग तैयार थी। भारी बारिश ने खेतों को पानी से सराबोर कर दिया, जिससे पके हुए अनाज के सड़ने का खतरा पैदा हो गया और फसलों में कीड़े तथा फंगस से होने वाली बीमारियां लगने की आशंका बढ़ गई।यहां तक कि काटी जा चुकी धान की फसल को भी नुकसान हुआ, क्योंकि अनाज की बड़ी मात्रा खुले खेतों में छोड़ दी गई थी और वह बारिश की भेंट चढ़ गई। यह नुकसान सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि समुद्र तट से दूर भीतरी इलाकों जैसे कि प्रयागराज तक में धान के खेत प्रभावित होने की खबरें आईं। कई जिलों में तापमान में भी अचानक 6 से 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।भारत की कृषि भूमि का एक बड़ा हिस्सा तिलहन, दलहन और बाजरा जैसी अपेक्षाकृत सूखे मौसम की फसलों के लिए उपयोग किया जाता है। इन फसलों के लिए मिट्टी में सही मात्रा में नमी होना जरूरी है, और बुआई से पहले खेतों से पानी की सही निकासी और उनकी अच्छी तैयारी आवश्यक होती है।

चक्रवात अर्नब के कारण मिट्टी में जरूरत से ज्यादा नमी आ गई और तेज हवाएं चलीं, जिससे कई क्षेत्रों में रबी की बुआई में देरी हो गई है। यहां तक कि सरसों की जो फसलें पहले ही बोई जा चुकी थीं, उनके लिए भी खतरा पैदा हो गया है।मिट्टी में बहुत ज्यादा नमी होने से खेतों में जलभराव हो सकता है, जिससे सरसों के बीजों के अंकुरण और पौधों के शुरुआती विकास पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा, यह स्थिति मिट्टी में पनपने वाले कीड़ों और पौधों के रोगजनकों के लिए अनुकूल माहौल बना देती है, जिससे फसलों में बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

भारी बारिश मिट्टी से पोषक तत्वों को भी बहा ले जा सकती है, खासकर नाइट्रोजन जैसे आसानी से बह जाने वाले पोषक तत्वों को। इसकी वजह से किसानों को फसलों में अलग से अतिरिक्त खाद डालने की जरूरत पड़ सकती है। कुछ मामलों में तो किसानों को अपने खेतों में दोबारा बुवाई भी करनी पड़ सकती है।

कई प्रभावित राज्यों में सब्जी उगाने वाले किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है, जिससे सर्दियों की सब्जियों की बुवाई में देरी हुई है और पहले से लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। किसानों की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब दूसरे चक्रवात मुरसु का खतरा सामने आया, जिसने दक्षिण-पूर्वी तट पर और ज्यादा बारिश और तेज हवाओं के साथ असर डाला।इसके चक्रवाती सिस्टम के कारण देश के सुदूर भीतरी इलाकों तक बारिश हुई, जिससे धान और खेतों में खड़ी अन्य फसलों को और अधिक नुकसान पहुंचने की आशंका पैदा हो गई है।



जीवन में प्यार की शक्ति का रहस्य अजीबोगरीब है। इसकी ऊर्जा अनंत है। इसके आभास मात्र से आप सक्रिय हो उठते हैं। भरपूर शक्ति के साथ काम में जुट जाते हैं। यही अहसास अगर जीवन संगिनी के साथ होने का हो तो तय है कि आप इसके बल पर अपनी जिंदगी में किसी भी मुकाम को हासिल कर सकते हैं।

जरा छूकर देखो

सामान्यतया जीवन संगिनी के प्रेम को लेकर भारतीय समाज में ढेरों धारणाएं हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर जीवनसाथी के साथ व्यावहारिक जीवन सहज है तो उससे बेहतर जिंदगी नहीं हो सकती। वास्तव में है भी ऐसा, क्योंकि तरोताजा बने रहने और पूरी क्षमता के साथ काम करने के लिए सुकून सबसे अहम चीज है। इसे आप पैसों से नहीं खरीद सकते। इसे आप अपने व्यवहार और आपसी समझ से ही प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए कहा गया है कि प्यार केवल भावनाओं का लेना-देना नहीं, बल्कि इसमें स्पर्श का योगदान सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। कुछ समय पहले ही अमेरिका में हुए एक शोध में पाया गया है कि कोई भी महिला या लड़की किसी पुरुष को अगर प्यार से छू ले या पुरुष के पीठ का स्पर्श मात्र कर दे तो उसे सुकून मिलता है। उसका मानसिक तनाव कुछ कम हो जाता है। वह दुगुनी साहस के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए उठ खड़ा होता है।

स्पर्श में जादू

महिलाओं के स्पर्श में वह जादू है, जो दवा का काम करता है। महिलाओं के छुअन मात्र से पुरुष खुद को सुरक्षित महसूस करने लगते हैं। कोई भी खतरा मोल लेने को तैयार हो जाते हैं। सुरक्षा का यही बोध उन्हें अपने जीवन में निश्चिंत रहने और हर जिम्मेदारी को

सजने-संवरने पर रोज दीजिए 18 मिनट

ज्यादातर लोगों की हमेशा यह जानने में दिलचस्पी होती है कि महिलाएं घर से बाहर निकलने से पहले आइने के सामने कितना समय लगाती हैं। अब तक महिलाओं के बारे में यह पता नहीं चल सका है। लेकिन इसका जवाब मिल गया कि ब्रिटेन में पुरुषों को सजने-संवरने में कितना समय लगता है।









एक शोध में पता चला है कि औसत ब्रिटिश पुरुष रोज सुबह तैयार होने या संजने-संवरने में पूरे 18 मिनट खर्च करते हैं। ब्रिटेन में खुद की खूबसूरती पर गुमान करने वाले पुरुषों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ये पुरुष अपने जीवनकाल में 5,105 मिनट या अपनी जिंदगी साढ़े तीन से कुछ ज्यादा दिन आइने के सामने खुद को आकर्षक बनाने में व्यतीत करते हैं। यह सर्वेक्षण 1,012 पुरुषों पर किया गया था। इनमें से 54 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया कि वे अपने साथी को खुश करने के लिए ऐसा करते हैं।

दूसरों से स्मार्ट लगें

एक चौथाई पुरुषों का कहना था कि वे साथी पुरुषों से श्रेष्ठ दिखने की प्रतिस्पर्धा में ऐसा करते हैं। 38 प्रतिशत पुरुषों का कहना था कि वे अपने व्यक्तित्व को निखारने या खुद को खूबसूरत बनाने के संबंध में बहुत थोड़ा ही जानते हैं। उनका कहना था कि उन्हें इसके नुस्खे पूछने में झिझक महसूस होती है। वेल्श में सबसे ज्यादा, 70 प्रतिशत पुरुषों ने स्वीकार किया कि वे खूबसूरत दिखने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। इससे विपरीत वेस्ट मिडलैंड्स में पुरुषों को तैयार होने में केवल 10 मिनट का समय लगता है। उनका कहना था कि संजने-संवरने में 18 मिनट जरूर लगते हैं, लेकिन जब किसी से पहली बार मिलते हैं तो वह तारीफ करता है।



तैयार करें परफेक्ट ट्रेवल ब्यूटी किट

मेकअप और जरूरी सामान रखने के लिए ज्यादातर महिलाओं के पास ब्यूटी किट होती है। मगर, मुश्किल तब आती है जब आपको इस ब्यूटी किट को अपने साथ ले जाना हो और आपको यह समझ न आए कि क्या रखें और क्या न रखें। तो अब जानिए हर ओकेजन के हिसाब से कैसे तैयार करें ब्यूटी किट।



शादी के लिए

- शादियों के लिए जब भी ब्यूटी किट तैयार करें, तो उसमें अपने पसंदीदा परफ्यूम के लिए जगह बनाएं।
- सहेली की बिदाई के दौरान कई बार आंखें नम हो जाती हैं, इसलिए एक वाटरप्रूफ मस्कारा रखना न भूलें।
- शादी में कई कार्यक्रम होते हैं और हर कार्यक्रम में नया हेयरस्टाइल होना जरूरी है। इसलिए एक हेयर स्ट्रेटनर और एक हेयर कर्लर रखना न भूलें।

पार्टी के लिए

- हेयर एक्सटेंशन, हेयर मस्कारा साथ रखें, ताकि आपके बाल सभी से ज्यादा स्टाइलिश नजर आ सकें।
- अगर आपके बाल काफी लंबे हैं, तो आप हेयर मूस को साथ रखें, इससे आपके बाल अधिक घने और चमकदार दिखते हैं।
- एक हेयर रिमूवल क्रीम और रेजर भी पैक करना न भूलें
- क्लींजिंग मिल्क भी जरूर रखें, ताकि आप पार्टी मेकअप को ठीक तरह से अपने चेहरे से हटा सकें।

पिकनिक के लिए

- क्योंकि आप पूरा समय बाहर रहने वाली हैं तो अपने बैग में एसपीएफ 30 सनस्क्रीन लोशन रखना न भूलें।
- इस दौरान आपको कई वेट वाइप्स या टिशूज भी पैक करने चाहिए, क्योंकि पिकनिक पर भागा-दौड़ काफी होती है।
- एक अच्छा हैंड सेनिटाइजर रखना न भूलें। क्योंकि हाथ बार-बार धोना संभव नहीं होता।

अब जींस पर साड़ी बांधिये

फैशन के इस दौर में साड़ी को अलग ढंग से बांधने के तरीके से अवगत कराया जा रहा है। पारंपरिक परिधानों को नए अवतार में पेश करने के विषय में पूछने पर बताया छरहरी और लंबी दिखने वाली लड़कियां साड़ी पर बेल्ट लगा सकती हैं। इसमें आप अधिक युवा और आकर्षक नजर आएंगी। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के लिए शादी का जोड़ा तैयार किया था ताहिलयानी ने। उनका कहना है कि सुनहरी या चांदी की रंगत वाली बेल्ट पारंपरिक कमरबंध के स्थान पर आधुनिक कमरबंध के रूप में इस्तेमाल की जा सकती है। अब जींस के ऊपर साड़ी बांधना नए फैशन में है।



अब एक फैशन में पारंपरिक साड़ी को अलग-अलग तरह से बांधकर उसे अब एक नये ढंग व आधुनिक रूप दिया जा सकता है। डिजाइनरों के अनुसार इन दिनों जींस के ऊपर साड़ी बांधने या साड़ी पर बेल्ट लगाने का फैशन है। युवा लड़कियों ने साड़ी बांधने के इन तरीकों का स्वागत किया है।

बिंदास लुक के लिए टशनी ट्राउजर



लेटेस्ट फैशन

टाइट फिटेड ट्राउजर व जींस वार्डरोब से बाहर हो चुके हैं और इनकी जगह वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस ने ले ली है। पिछले दिनों आईं कई फिल्मों में वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस खूब दिखाई दीं। यदि आप भी कुछ नई ड्रेस तलाश रही हैं, तो इन्हें ट्राई कर सकती हैं।

रफ एंड टफ ड्रेस

वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस रफ एंड टफ स्टाइल है, जो आपको ग्लैमरस व बोल्ड लुक देता है। लड़कियां बिंदास लुक चाहती हैं, तो उनके लिए यह परफेक्ट ड्रेस है। इस आउटफिट पर चौड़ी बेल्ट भी फैशन में है। इसमें आप लेदर या फिर ट्राउजर के फैब्रिक से ही मैच करती बेल्ट डिजाइन करवा सकती हैं। यदि आप हाई वेस्ट वाइड लेग्स ट्राउजर पहन रही हैं, तो उस पर चौड़ी बेल्ट पहनें। इससे लुक अच्छा आएगा।

डिजाइन व पैटर्न

आप इन्हें कई स्टाइल में खरीद सकती हैं। इसमें हाई वेस्ट, लो वेस्ट, प्लेटेड वगैरह स्टाइल खास हैं। इसके साथ फिटेड टी-शर्ट, फ्रील शर्ट, शॉर्ट जैकेट को कोट के साथ मैच करके पहना जा सकता है। आप वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस की चौड़ाई अपनी चॉइस के मुताबिक कम या ज्यादा भी करवा सकती हैं।

1980 का ट्रेंड

वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस नया स्टाइल नहीं है। यह 1980 का फैशन है, जो नए अंदाज के साथ लौट आया है। डिजाइनर्स ने इसमें अपनी क्रिएटिविटी यूज करके इसे और भी स्टाइलिश व फैंसी बना दिया है। फैशन डिजाइनर कहना है कि लूज ड्रेसेज ही ज्यादा कम्फर्टेबल होती हैं। ऐसे में वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर जींस बेस्ट ड्रेस हैं।



यदि आप बिंदास व रफ एंड टफ लुक चाहती हैं, तो वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस ट्राई कर सकती हैं। यह नया ट्रेंड है और इन दिनों लड़कियों के बीच बेहद पॉपुलर है। एक नजर डालते हैं इसके ट्रेंड पर।

नए प्रिंटेट

यदि प्रिंट की बात की जाए तो इसमें प्लेन, प्रिंटेड, एम्ब्रॉयडरी वर्क भी ट्रेंड में हैं। कई फैशन डिजाइनर्स ने वाइड लेग्स ट्राउजर व फ्लेयर लेग्स जींस में कई डिजाइन पेश किए हैं। इसमें शीयर फैब्रिक में भी आपको ट्राउजर मिल जाएंगे, जो पूरी तरह नया स्टाइल है।

बेस्ट कलर

आप लाइट कलर के ट्राउजर ही चुनें। वाइट, लाइट स्काई, पिंक, पर्पल, ग्रे, यलो व डल ब्लैक वगैरह प्रिफर करें। वहीं फ्लेयर लेग्स जींस में ब्लू, मस्टर्ड व ग्रीन कलर ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

लंगूर की पूंछ में आग से रोशनी, निभाई गई गौरा गौरी पूजा की 200 साल पुरानी परंपरा, पूरी हुई बस्तर की अनोखी रस्म

कोण्डागांव। बस्तर संभाग के कोंडागांव में गौरा-गौरी पूजन के दौरान करीब 200 साल पुरानी अनूठी परंपरा आज भी निभाई गई। यहां लंगूर की पूंछ में आग लगाकर उसकी रोशनी में गौरा-गौरी की प्रतिमाओं को निर्माण स्थल से पूजा स्थल तक लाया जाता है। आधुनिक रोशनी के साधन उपलब्ध होने के बावजूद समाज इस परंपरा को श्रद्धा के साथ निभा रहा है। गौरा-गौरी पूजन का आयोजन कोण्डागांव के बाजार परिसर में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज द्वारा पिछले करीब 200 वर्षों से किया जा रहा है। इस वर्ष भी हिंगलाजिन माता मंदिर परिसर में तीन दिवसीय पर्व का आयोजन किया गया।

गोंड ध्रुव समाज के जिलाध्यक्ष मदन ध्रुव के अनुसार, पुराने समय में बिजली और पर्याप्त रोशनी के साधन नहीं होने के कारण अंधेरे में गौरा-गौरी की प्रतिमाओं को पूजा स्थल तक लाने के लिए लंगूर की पूंछ में आग लगाकर रोशनी की जाती थी। समाज में लंगूर को माता का लंगोरवा माना जाता है। इसी मान्यता के साथ प्रतिमाओं को लंगूर की पूंछ से निकलने वाली रोशनी में पूजा स्थल तक लाकर स्थापित करने की परंपरा शुरू हुई, जो आज भी जारी है।

गौरा-गौरी पूजन की शुरुआत दीपावली से एक दिन पहले चूल माटी की रस्म से होती है। इसके लिए कोण्डागांव के प्रेमनगर से विशेष मिट्टी लाई जाती है, जिसे चूल माटी कहा जाता है। इसी मिट्टी से गौरा और गौरी की प्रतिमाओं का निर्माण किया जाता है।

गौरा-गौरी पूजन केवल समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे कोण्डागांव की आस्था और सहभागिता से जुड़ा पर्व है- मदन ध्रुव, जिलाध्यक्ष, गोंड ध्रुव समाज दीपावली की रात जागरण के साथ गौरा-गौरी की पूजा-अर्चना, माता का श्रृंगार और शिव-पार्वती विवाह का प्रतीकात्मक आयोजन किया जाता है। तीन दिनों तक चलने वाले पर्व में समाज के लोगों के साथ मोहल्ले और आसपास के लोग भी शामिल होते हैं। अंतिम दिन गौरा-गौरी की प्रतिमाओं का ससम्मान राम मंदिर तालाब में विसर्जन किया जाता है।

बिलासपुर में आग का कहर, टीवी दुकान जलकर राख, मची अफरा तफरी

बिलासपुर। पूरे देश में दिवाली के पर्व की तैयारी की जा रही है। इस बीच छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में आग का कहर देखने को मिला है। करबला रोड स्थित एक टीवी दुकान में आग लग गई जिससे अफरातफरी मच गई। दुकान के भीतर से उठते घने धुएं ने आसपास के क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। आग की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।दुकान के अंदर धुआं इतना भर गया कि उसे बाहर निकालने के लिए सामने लगे कांच को पत्थरों से तोड़ना पड़ा। आग पर काबू पाने और अंदर की स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए गए। घटना के दौरान दुकान में आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम और फायर सेफ्टी सिस्टम की उपलब्धता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आग कैसे लगी, इसका वास्तविक कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। फिलहाल घटना के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है।दीपावली जैसे बड़े त्योहार से ठीक पहले शहर के व्यस्त व्यावसायिक इलाके में हुई इस घटना ने दुकानों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। गनीमत रही की समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग की इस घटना ने एक बार फिर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी के इंतजामों की पोल खोल दी है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण, मेडिकल कॉलेज की प्रगति का लिया जायजा

मेडिकल कॉलेज निर्माण की रफ्तार पर मंत्री की नजर, गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मंगलवार को जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ पहुंचकर क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 220 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल सहित परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों का जायजा लिया। मंत्री ने अधिकारियों, इंजीनियरों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा की विस्तृत जानकारी ली।



मनेंद्रगढ़ स्थित 220 बिस्तर वाले सिविल अस्पताल पहुंचकर वहां चल रहे कार्यों एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने सबसे पहले इसके बाद वे परसगढ़ी स्थित निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां उन्होंने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अब तक पूर्ण हुए कार्यों, शेष निर्माण कार्यों तथा उन्हें पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता के सभी मापदंडों का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आपसी समन्वय बनाकर कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।

चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगी नई दिशा

मंत्री जायसवाल ने कहा कि परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज केवल एक भवन निर्माण परियोजना नहीं है, बल्कि यह पूरे एमसीबी जिले और आसपास के क्षेत्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मेडिकल कॉलेज के शुरू होने से प्रदेश के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा कम करने में मदद मिलेगी।

हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत का समाधान,

सोनहत के राजेश के घर पहुँची मुख्यमंत्री की 'पाती'

हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत का समाधान, सोनहत के राजेश के घर पहुँची मुख्यमंत्री की 'पाती'

लर्निंग लाइसेंस मिलने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भेजा शुभकामना पत्र

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज एक शिकायत के समाधान के बाद बलरामपुर जिला के वाड्रफनगर विकासखंड के सुदूर ग्राम सोनहत निवासी श्री राजेश कुमार कुशवाहा के घर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की 'विष्णु की पाती' पहुँची। लर्निंग लाइसेंस से जुड़ी समस्या के निराकरण के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पीड पोस्ट से उन्हें शुभकामना पत्र भेजा



और लाइसेंस मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

श्री कुशवाहा ने लर्निंग लाइसेंस बनवाने में आ रही परेशानी के संबंध में हेल्पलाइन 1076 पर संपर्क किया था। शिकायत पर कार्रवाई हुई और उन्हें लाइसेंस मिल गया। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भेजे गए पत्र में मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री कुशवाहा और उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना शासन की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्र में लिखा कि हेल्पलाइन 1076 इस उद्देश्य से शुरू की गई है कि नागरिक अपनी बात सहजता से शासन तक पहुँचा सकें और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। उन्होंने भरोसा जताया कि शासन से संपर्क करने वाले प्रत्येक नागरिक की बात ध्यानपूर्वक सुनी जाएगी। ऐसे अनुभव यह समझने में भी मदद करते हैं कि शासकीय सेवाएँ लोगों के लिए कितनी उपयोगी हैं और उन्हें अधिक सरल एवं सुलभ बनाने की कहाँ जरूरत है।

लर्निंग लाइसेंस मिलने पर

मुख्यमंत्री ने श्री कुशवाहा को वाहन चलाना सीखते समय सुरक्षित अभ्यास करने और यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी।

राज्यपाल ने गोवर्धन पूजा पर बांके बिहारी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने गोवर्धन पूजा पर श्री बांके बिहारी मंदिर में की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामनाराज्यपाल श्री रमेन डेका ने गोवर्धन पूजा पर श्री बांके बिहारी मंदिर में की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामनाराज्यपाल श्री रमेन डेका ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के सदर बाजार स्थित प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर पहुंचकर भगवान श्री बांके बिहारी जी के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

प्रदेशवासियों के लिए की मंगलकामना

पूजा-अर्चना के दौरान राज्यपाल श्री डेका ने भगवान श्री बांके बिहारी जी से पूरे प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस पावन पर्व पर राज्यपाल ने समस्त प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उमंग, सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

राज्यपाल श्री रमेन डेका से मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्तों ने की सौजन्य भेंट

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त श्री अमिताभ जैन एवं राज्य सूचना आयुक्त श्री उमेश अग्रवाल, श्री आलोक चंद्रवंशी तथा श्री शिरीष मिश्रा ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल श्री डेका को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने राज्य सूचना आयोग में दर्ज प्रकरणों की जानकारी लेते हुए प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए हैं।



सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी 2027 को, अभ्यर्थी 2 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए सैनिक स्कूल अंबिकापुर सहित देशभर के सैनिक स्कूलों एवं नवीन सैनिक स्कूलों में कक्षा छठवीं और नौवीं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (ढ्ढस्स्श्वश्च-2027) का आयोजन 31 जनवरी 2027 को किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 2 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2026

छत्तीसगढ़ के सैनिक स्कूल अंबिकापुर के प्राचार्य द्वारा जारी सूचना के अनुसार, रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित सैनिक स्कूल अंबिकापुर में कक्षा छठवीं एवं नौवीं में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का चयन अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 3 नवंबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन आवेदन एवं परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2026, रात्रि 11.50 बजे तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं कर पाने वाले अभ्यर्थी विलंब शुल्क के साथ (500 रुपये अतिरिक्त राशि के साथ) 3 से 6 दिसंबर 2026 तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार के लिए 7 से 9 दिसंबर 2026 तक अवसर प्रदान किया जाएगा।

31 जनवरी को होगी प्रवेश परीक्षा

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा 31 जनवरी 2027 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र के शहर की जानकारी 11 जनवरी 2027 को जारी की जाएगी, जबकि प्रवेश पत्र 25 जनवरी 2027 से एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।प्रवेश परीक्षा बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगी तथा पेन-पेपर मोड में ओएमआर शीट के माध्यम से आयोजित की जाएगी। कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए परीक्षा की अवधि 2.30 घण्टा (150 मिनट) की होगी तथा परीक्षा 13 माध्यमों में आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा नौवीं के लिए परीक्षा की अवधि 180 मिनट होगी और परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाएगी।

एनटीए की वेबसाइट पर उपलब्ध है विस्तृत जानकारी

पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए पात्रता, आयु सीमा, आरक्षण, परीक्षा पाठ्यक्रम, परीक्षा शुल्क एवं अन्य आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी सूचना पुस्तिका में उपलब्ध है। अभ्यर्थी एवं अभिभावक परीक्षा संबंधी किसी भी जानकारी या समस्या के समाधान के लिए एनटीए हेल्पडेस्क के दूरभाष नंबर 011-40759000 संपर्क कर सकते हैं।

रूस के वोल्गोग्राद में हिरासत में लिया गया है

रूस में हिरासत में लिया गया छत्तीसगढ़ का व्यक्ति, युद्ध में शामिल होने का दबाव, परिवार का आरोप

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

परिवार ने सोमवार को आरोप लगाया कि सितंबर में नौकरी के लिए रूस गए रायपुर के एक व्यक्ति को वहां एक ÷झूठे÷ ड्रग्स मामले में हिरासत में लिया गया है और उस पर रूसी सेना में शामिल होकर युद्ध में लड़ने का दबाव डाला जा रहा है। ऐसा नहीं करने पर लंबी जेल की सजा भुगतने को लेकर धमकी दी जा रही है।रायपुर के सेवानिवृत्त पुलिस हेड कांस्टेबल के बेटे, टिकेश्वर साहू (38) के परिवार ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री कार्यालय और अन्य अधिकारियों से संपर्क कर उनकी रिहाई सुनिश्चित करने और भारत में उनकी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है।इसी महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में, टिकेश्वर की पत्नी मनोरमा साहू ने दावा किया कि उनके पति को रूस के वोल्गोग्राद में हिरासत में लिया गया है और उनकी वापसी के लिए



सरकारी सहायता की मांग की।पत्र में बताया गया कि टिकेश्वर 8 सितंबर, 2026 को पर्यटक वीजा पर रूस गए थे और 16 सितंबर के बाद से परिवार का उनसे संपर्क टूट गया। बाद में उन्हें पता चला कि रूसी पुलिस ने उन्हें नशीले पदार्थों से जुड़े एक गंभीर आपराधिक मामले में गिरफ्तार किया है। पत्र में लिखा- हमारे परिवार के पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है जिससे पता चले कि वह किसी भी नशीले पदार्थ से संबंधित गतिविधि में शामिल थे। हमें उनकी गिरफ्तारी की परिस्थितियों और मामले की निष्पक्षता पर गंभीर संदेह है।परिवार ने ये भी बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि उन्हें कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है और लगभग 20 साल की जेल की सजा की चेतावनी दी जा रही है। इससे भी गंभीर बात यह है कि उन पर रूसी सेना में शामिल होने और युद्ध में भाग लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है। परिवार ने रूस में एक निजी वकील नियुक्त किया है।मनोरमा की बहन निधि साहू ने बताया कि टिकेश्वर पहले रायपुर की एक कंपनी में सेल्स का काम करते थे। उन्होंने परिवार को बताया था कि उन्हें रूस में नौकरी का प्रस्ताव मिला है और नियोक्ता ने उन्हें आश्वासन दिया है कि उनकी यात्रा की सभी व्यवस्थाएं कर दी जाएगी। उन्होंने पर्यटक वीजा पर यात्रा की क्योंकि नियोक्ता ने बाद में इसे कार्य वीजा में बदलने का वादा किया था। टिकेश्वर 10 सितंबर को वोल्गोग्राद पहुंचे और नियमित रूप से वीडियो कॉल के माध्यम से अपने परिवार से बात करते रहे। 16 सितंबर के बाद उन्होंने उनसे संपर्क करना बंद कर दिया।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल